दैनिक

करंट क्राइम

www.currentcrime.com

दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

सिर्फ सच...

● नई दिल्ली।। मंगलवार 30 अप्रैल -2024 ● वर्ष : 8 अंक : 200 पेज-08 ● RNI NO. DELHIN/2015/65364 ● मूल्य : ₹3

यूपी और उत्तराखंड के मुख्यमंत्रियों की मौजूदगी में राजनाथ सिंह ने तीसरी बार लखनऊ से किया नामांकन

नई दिल्ली। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को लखनऊ संसदीय क्षेत्र के लिए नामांकन पत्र दाखिल किया। राजनाथ सिंह के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर धामी भी थे। भाजपा प्रदेश कार्यालय से लखनऊ विकास रथ पर सवार होकर सभी कलेक्ट्रेट पहुंचे। यहां जिला निर्वाचन अधिकारी, डीएम सूर्यपाल गंगवार को नामांकन पत्र सौंपा।

रोड शो में लगते रहे 'जय श्रीराम' के नारे

ये यूथ आईकॉन नीरज सिंह का है व्यवहार, जो उमड़ा है जनसैलाब अपार

करंट क्राइम। नीरज सिंह एक ऐसे नेता हैं जिनका अपना ही एक अलग स्वैग है। एक ऐसे नेता जो अपने व्यवहार से सामने वाले को अपना बना लेते हैं। नीरज सिंह एक ऐसे नेता हैं जो कार्यकताओं के लिए उनके नेता नहीं बल्कि उनके नीरज भैया हैं। उनकी टीआरपी का जलवा लखनऊ से लेकर गाजियाबाद तक फैला हुआ है। ये उनके व्यक्तित्व की सबसे बड़ी खूबी है कि वो हमेशा कार्यकर्ता के रूप में काम करते हैं और ये उनका व्यवहार है जो उनके एक इशारे पर जनसैलाब उमड़ता है। राजनीति में ये मुकाम उन्होंने अपने दम पर हासिल किया है। सोमवार को जब राजनाथ सिंह अपना नामांकन पत्र दाखिल करने के लिए चले तो यहां एक जनसैलाब नीरज सिंह के समर्थकों का भी था। इसमें वो चेहरे भी थे जो गाजियाबाद से स्पेशल नीरज सिंह के लिए पहुंचे थे।

पंकज सिंह की टीआरपी का भी रहा जलवा

करंट क्राइम। पंकज सिंह नोएडा से विधायक हैं और लगातार दूसरी बार विधानसभा का चुनाव जीते हैं। राजनाथ सिंह और नीरज सिंह के साथ-साथ पंकज सिंह की टीआरपी का जलवा है। पंकज सिंह भी हमेशा कार्यकताओं से कनैक्ट रहते हैं। लखनऊ में जब राजनाथ सिंह नामांकन पत्र दाखिल कर रहे थे तो यहां पकंज सिंह भी टीआरपी का जलवा दिखाई दिया। नोएडा से बड़ी संख्या में भाजपा नेता लखनऊ पहुंचे थे। गाजियाबाद के वो नेता भी यहां पहुंचे जो पंकज सिंह के साथ जुडे हैं। उत्साह से लबरेज ये समर्थक पंकज सिंह के समर्थक हैं और यहां पर पंकज सिंह के सपोटर भी उत्साहवर्धन के लिए मौजूद थे।

लोनी विधायक नन्द किशोर गुर्जर दिखाई दिये पुराने मित्र के साथ

करंट क्राइम। लोनी के क्रान्तिकारी विधायक नन्द किशोर गुर्जर भी सोमवार को कैबीनेट मंत्री राजनाथ सिंह के नामांकन जुलुस में शामिल होने के लिए पहुंचे थे। लोनी विधायक नन्द किशोर गुर्जर लखनऊ में अपने पुराने मित्र यतेन्द्र नागर के साथ दिखाई दिये। नन्द किशोर गुर्जर और यतेन्द्र नागर का सियासी सफर एक साथ ही शुरू हुआ था। यतेन्द्र नागर एमएमएच कॉलेज के छात्र संघ अध्यक्ष का चुनाव जीते थे और नन्द किशोर गुर्जर ने शंभुदयाल डिग्री कॉलेज छात्र संघ अध्यक्ष का चुनाव जीता था। इसके बाद नन्द किशोर गुर्जर भाजपा में जिलाअध्यक्ष बने और फिर वो विधायक बने और लगातार दूसरी बार लोनी से विधायक हैं। दोनों मित्र लखनऊ में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के नामांकन रोड शो में दिखाई दिये।

गाजियाबाद के भगवा गलियारों में उन्हें माननीय जी कहकर सम्बोधित किया जाता है और इस पूरे परिवार से गाजियाबाद वाले भाजपाइयों के प्यार वाले रिश्ते हैं।

लखनऊ में दिखाई दिया गाजियाबाद वालों का राजनाथ सिंह के प्रति प्यार

गाजियाबाद करंट क्राइम। गाजियाबाद के भगवा सियासी गलियारों में ये कहा जाता है कि यूं ही कोई राजनाथ सिंह नहीं बन जाता। गाजियाबाद के भगवा गलियारों में उन्हें माननीय जी कहकर सम्बोधित किया जाता है और इस पूरे परिवार से गाजियाबाद वाले भाजपाईयों के प्यार वाले रिश्ते हैं। इस परिवार से अलग ही जुड़ाव है और जब सोमवार को कैबिनेट रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लखनऊ से अपना नामांकन पत्र दाखिल किया तो गाजियाबाद वालों का प्यार लखनऊ की सरजमीं पर दिखाई दिया। ये राजनाथ सिंह एवं उनके परिवार के प्रति गाजियाबाद वालों का प्यार ही तो है जो इस गर्मी के मौसम में सैंकड़ों किलोमीटर का सफर तय कर गाजियाबाद के भाजपा नेता उनके नामांकन जुलुस में शामिल होने के लिए लखनऊ पहुंचे। क्षेत्रीय अध्यक्ष सतेन्द्र सिसौदिया, लोनी विधायक नन्द किशोर गुर्जर, महामंत्री पप्पू पहलवान, भाजपा किसान मोर्चा के महाध्यक्ष पंकज भारद्वाज, पूर्व निगम कार्यकारिणी उपाध्यक्ष सरदार सिंह भाटी, यशपाल पहवान, सुनील निठौरा, कालीचरण पहलवान, प्रीति चंद्रा, पूर्व पार्षद कपिल त्यागी, रवि भाटी, प्रियंका पांडेय, यतेन्द्र नागर सहित कई भाजपा नेता लखनऊ में पूरे उत्साह के साथ मौजूद थे।

महामंत्री पप्पू पहलवान पहुंचे पूरी टीम के साथ लखनऊ

करंट क्राइम। भाजपा महानगर महामंत्री पप्पू पहलवान अपनी पूरी टीम के साथ लखनऊ पहुंचे। उन्होंने केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की। यहां उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी से भी मुलाकात की। पप्पू पहलवान के पहले से ही नीरज सिंह और पंकज सिंह से मधुर संबंध बताए जाते हैं। पप्पू पहलवान पूरे उत्साह के साथ नामांकन रोड शो में शामिल हुए।

2009 में राजनाथ सिंह गाजियाबाद से चुने गए थे सांसद

वर्ष 2009 में अस्तित्व में आई गाजियाबाद लोकसभा सीट पर जब भाजपा ने तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष राजनाथ सिंह को बतौर लोकसभा प्रत्याशी चुनाव के मैदान में उतारा तो न केवल इस सीट से जीत हासिल करना राजनाथ सिंह के लिए बल्कि पार्टी के लिए भी नाक का सवाल बन गया था, यही वजह रही कि राष्ट्रीय अध्यक्ष को चुनाव जिताने के लिए न केवल गाजियाबाद और उत्तर प्रदेश बल्कि देश के विभिन्न कोनों से भाजपा के कद्दावर नेताओं ने अपना जमावड़ा यहां पर लगा दिया था। उस वक्त पर भाजपा के कद्दावर नेताओं के लिए आवास उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी भाजपा नेता अजय शर्मा को सौंपी गई थी, उन दिनों को याद करते हुए वो कहते हैं कि पहली बार ऐसा हुआ कि गाजियाबाद में एक भी होटल, लाज और बड़े नेताओं के घर में विभिन्न प्रदेशों से आने वाले नेताओं को ठहराने के लिए कमरे तक नहीं उपलब्ध हो सके। अंत में थक हारकर कहना पड़ गया कि यदि अब कोई गाजियाबाद में चुनाव प्रचार करने के लिए आना चाहता है तो यहां पर रुकने की व्यवस्था स्वयं करके आए, क्योंकि पहले ही यहां पर बड़ी संख्या में भाजपा नेता और कार्यकर्ता ठहरे हुए हैं। उन्होंने बताया कि इस बीच प्रदेश के ही एक कद्दावर नेता गाजियाबाद पहुंचे और उनके रुकने की व्यवस्था नहीं हो सकी तो उनको एक कार्यकर्ता के घर में रुकवाना पड़ा। ऐसे में लग रहा था कि वह बुरा न महसूस करें, लेकिन सब स्थिति से वाकिफ थे।

मेयर आ गईं एक्शन में और किया नाले से लेकर सड़क तक औचक निरीक्षण

वरिष्ठ संवाददाता

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। दैनिक करंट क्राइम ने प्रकाशित किया था कि इलैक्शन से निपटने के बाद मेयर सुनीता दयाल सोमवार से एक्शन में आ जायेंगी। वो नालों की सफाई से लेकर शहर में फैले अतिक्रमण को लेकर गंभीर हैं। दैनिक करंट क्राइम की खबर सटीक निकली और मेयर सुनीता दयाल ने सोमवार को महानगर की नालों की सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। यहां उन्हें अतिक्रमण भी मिला और मेयर अतिक्रमण को लेकर नाराज भी दिखाईं दी। मेयर सुनीता दयाल सोमवार को औचक निरीक्षण पर निकलीं। उन्होंने यूपी गेट से अपना निरीक्षण शुरू किया और उन्हें कई स्थानों पर अतिक्रमण मिला और कई स्थानों पर अव्यवस्था को लेकर मेयर नाराज हुईं।

बताते हैं कि मेयर यूपी गेट से चलीं और जब वह डॉबर चौक पर पहुंची तो उन्होंने देखा कि सड़क के किनारे लोगों ने अवैध रूप से झुग्गियां बना ली हैं। टी स्टॉल और अन्य खोखे रखे हुए हैं। सब्जी मंडी के बाहर इतना बुरा हाल था कि ठेले वालों के कारण ट्रैफिक जाम की स्थिति है और अतिक्रमण हो चुका है। वसुंधरा जोन में तो एक स्थान पर मेयर की कार का एक्सीडेंट अतिक्रमण की वजह से होते होते बचा। बताते हैं कि यहां मेयर इस अतिक्रमण को लेकर नाराज दिखाईं दी और उन्होंने वसुंधरा के जोनल प्रभारी को तलब किया है। मेयर ने कहा है कि किसी भी कीमत पर आम जनता को परेशानी नहीं होने दी जायेगी और अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलेगा।

बरसात से पहले नालों की सफाई को लेकर मेयर गंभीर

करंट क्राइम। मेयर सुनीता दयाल पहले ही कह चुकी हैं कि बरसात के मौसम में जलभराव से जनता को निजात दिलायेंगी। उन्होंने नगर निगम में भी ये आदेश दिये है कि बरसात से पहले शहर के सभी छोटे बड़े नालों की सफाई होगी जिससे शहर में जल निकासी तेजी से हो और जलभराव की स्थिति ना बने। मेयर ने पहले भी नालों की सफाई ठीक से ना होने पर भुगतान रोके थे और इस बार भी बरसात से पहले नालों की सफाई शुरू करायी गई है। सोमवार को लिंक रोड सब्जी मंडी के सामने नाले की सफाई के कार्य का मेयर ने निरीक्षण किया। उन्होंने सुपरवाईजर से बात की और यह देखा कि जेसीबी मशीन इस नाले की सफाई कर रही है। मेयर ने कहा कि अन्य नालों की सफाई भी इसी प्रकार से होनी चाहिए। मेयर सुनीता दयाल ने कहा कि नगर निगम से इस बार समय से ही तैयारी करके नाला सफाई का कार्य शुरू कराया है। शहर की जनता को बारीश के मौसम में परेशानी नहीं होनी चाहिए। नगर निगम में अभियान चला दिया है और बरसात में जलभराव की स्थिति नहीं होने दी जायेगी।

अतिक्रमण को लेकर चलेगा निगम का अभियान

करंट क्राइम। मेयर सुनीता दयाल ने जब हिंडन पार क्षेत्र में औचक निरीक्षण किया तो पाया कि सड़क के दोनों तरफ अतिक्रमण हो गया है और इसके चलते आम जनता के निकलने का रास्ता भी दूभर हो गया है। सड़कों के किनारे अतिक्रमण हुआ है और अब मेयर ने इसके लिए जोनल प्रभारी को जिम्मेदार माना है। अतिक्रमण को लेकर एक विशेष अभियान चलेगा।

किस कार्यवाहक लिपिक ने कह दिये वरिष्ठ सफाईकर्मी को अपशब्द

करंट क्राइम। नगर निगम में वरिष्ठ और कनिष्ठ संवाद को लेकर विवाद की स्थिति हो गई। हालांकि फिलहाल मामला शांत है लेकिन जूनियर कर्मचारी द्वारा सीनियर कर्मचारी को अपशब्द बोले जाने का मामला गूंज रहा है। बताते हैं कि एक सफाई कर्मचारी के पास कार्यवाहक लिपिक का कार्य है।

यहां पर बताया जाता है कि वरिष्ठ सफाई कर्मचारी को कार्यवाहक लिपिक ने अपशब्द कह दिये। इसके पीछे का कारण हाजिरी ठीक करने का धंधा बताया जाता है। शुरूआत तब हुई जब वरिष्ठ सफाइ कर्मचारी अपने एक मित्र के साथ नगर निगम मुख्यालय गये थे और वहां उनका सामना सफाई कर्मचारी कार्यवाहक से हो गया। यहां पर व्यवहार को लेकर कुछ बात हुई और अपशब्दों वाला सीन हो गया। वरिष्ठ सफाई कर्मचारी को इस बात की पीड़ा है कि माना कि सफाई कर्मचारी को कार्यवाहक लिपिक बनाया गया है लेकिन उन्हें वरिष्ठता का सम्मान करना चाहिए। वरिष्ठ सफाई कर्मचारी का कहना है कि वो कार्यवाहक लिपिक के व्यवहार की शिकायत अधिकारियों तक करेंगे।

यूपी की 80 सीटों को जीतने का लक्ष्य लेकर चल रही भाजपा, सैफई परिवार को देगी उनके गढ़ में मात!

लखनऊ। यूपी की 80 सीटों को जीतने का लक्ष्य लेकर चल रही भाजपा इस बार के चुनाव में एक और 'हिडन एजेंडे' को साधने में जुटी है। यह एजेंडा है सैफई परिवार के उम्मीदवारों को उनके गढ़ में मात देने का। भाजपा ने जिस तरह की व्यूहरचना तैयार की है, उससे सपा के सामने चुनौती कड़ी हो सकती है। दरअसल, भाजपा की इस योजना के पीछे 2019 के लोकसभा चुनाव परिणाम हैं, जिसमें सैफई परिवार के लिए सुरक्षित मानी जाने वाली पांच सीटों में से तीन पर भाजपा ने सपा के तिलिस्म को तोड़ते हुए कब्जा जमा लिया था।

मुलायम सिंह अपनी परंपरागत सीट मैनपुरी से तो सपा प्रमुख अखिलेश यादव आजमगढ़ से चुनाव मैदान में थे। इनके अलावा डिंपल यादव कन्नौज से तो अक्षय यादव फिरोजाबाद और धर्मेंद्र यादव बदायूं से प्रत्याशी थे। लेकिन तमाम कोशिशों के बाद भी सिर्फ पिता-पुत्र यानी मुलायम और अखिलेश ही अपनी सीट बचा पाए थे।

जबकि डिंपल, अक्षय और धर्मेंद्र को भाजपा से मात खानी पड़ी थी। हालांकि मुलायम सिंह के निधन के बाद मैनपुरी में हुए उपचुनाव में सपा ने डिंपल को मैदान में उतारकर सीट बचा ली थी, जबकि अखिलेश के इस्तीफे के बाद रिक्त हुई आजमगढ़ सीट पर हुए उपचुनाव में भाजपा ने इस सीट को भी सपा से छीन लिया था। पीएम और सीएम के भी लगाए गए हैं कार्यक्रम भाजपा के व्यूहरचना के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और गृहमंत्री अमित शाह के कई कार्यक्रम लगे हैं। मुख्यमंत्री ने तो इसकी शुरूआत भी कर दी है। सीएम अब तक बदायूं, मैनपुरी, फिरोजाबाद में दो से तीन सभाएं कर चुके हैं। इनके अलावा दोनों उप मुख्यमंत्री, प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, महामंत्री संगठन धर्मपाल समेत समेत प्रदेश सरकार के करीब सभी मंत्री और पदाधिकारियों के कार्यक्रम हो चुके हैं।

मप्र के सीएम मोहन यादव को भी उतारा

माना जा रहा है कि इसी व्यूहरचना के तहत पार्टी ने मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव को भी सपा के गढ़ में उताकर संदेश देने की कोशिश की है। इसके तहत ही मैनपुरी सीट पर भाजपा प्रत्याशी के नामांकन में मोहन यादव को बुलाया गया था।

देवगौड़ा के पोते-बेटे पर यौन उत्पीड़न का मामला दर्ज

नई दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा के बेटे और पोते पर यौन उत्पीड़न का मामला दर्ज हुआ है। देवगौड़ा के विधायक बेटे एचडी रेवन्ना कर्नाटक सरकार के पूर्व मंत्री हैं। वहीं, उनके पोते प्रज्वल रेवन्ना हासन सीट से मौजूदा सांसद और यहां से मौजूदा लोकसभा चुनाव में प्रत्याशी हैं। हासन सीट पर 26 अप्रैल को मतदान हो चुका है। इससे पहले प्रज्वल रेवन्ना के कई अश्लील वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे थे।

एचडी रेवन्ना और प्रज्वल रेवन्ना पर क्या-क्या आरोप लगे हैं? दोनों पर एफआईआर किसने कराई है? एफआईआर करने वाले का क्या कहना है? प्रज्वल के जो वीडियो वायरल हो रहे हैं उस मामले में अब तक क्या हुआ है? क्या पहले भी इस तरह के मामले सामने आए हैं? आइये जानते हैं। एचडी देवगौड़ा के पोते प्रज्वल रेवन्ना हासन लोकसभा सीट से जेडीएस-भाजपा गठबंधन के उम्मीदवार हैं। 26 अप्रैल को हासन सीट पर मतदान होना था। इससे दो दिन पहले प्रज्वल के अश्लील वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने लगे। स्थानीय मीडिया के मुताबिक, प्रज्वल की अश्लील तस्वीरों और वीडियो क्लिप की सैकड़ों पेनड्राइव हासन में घूम रही हैं। अश्लील वीडियो वायरल होने के बाद प्रज्वल के सहयोगी पूरनचंद्र तेजस्वी एमजी ने इस मामले में एफआईआर दर्ज कराई। तेजस्वी एमजी जेडीएस-भाजपा गठबंधन के उम्मीदवार प्रज्वल के चुनाव एजेंट भी हैं। अपनी शिकायत में तेजस्वी एमजी ने कहा कि नवीन गौड़ा और अन्य लोगों ने वीडियो और तस्वीरों के साथ छेड़छाड़ की। उन्हें हसन लोकसभा क्षेत्र में पेन ड्राइव, सीडी और व्हाट्सएप के माध्यम से वायरल किया गया जिससे प्रज्वल रेवन्ना की छवि खराब की जा सके।

अगले दिन कर्नाटक महिला आयोग ने मामले की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित करने लिए मुख्यमंत्री सिद्धारमैया से सिफारिश की। इसके साथ ही कई अन्य महिला संगठनों ने भी मुख्यमंत्री से जांच की मांग की। 27 अप्रैल को राज्य सरकार ने मामले की जांच के लिए एसआईटी गठित कर दी। अगले दिन यानी रविवार को प्रज्वल के घर में घरेलू सहायिका के रूप में काम कर चुकी एक महिला की शिकायत पर प्रज्वल रेवन्ना और उनके पिता एचडी रेवन्ना पर एफआईआर दर्ज की गई।

एचडी रेवन्ना और प्रज्वल रेवन्ना पर क्या-क्या आरोप लगे हैं?

पीड़ित महिला ने हासन जिले के होलेनरासीपुर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है। अपनी शिकायत में महिला ने कहा है कि वह एचडी रेवन्ना की पत्नी भवानी की रिश्तेदार है। पीड़िता रेवन्ना के घर में रसोइये के रूप में काम करती थी। काम शुरू करने के चार महीने बाद उसके साथ एचडी रेवन्ना ने यौन शोषण करना शुरू किया। सांसद प्रज्वल पीड़िता की बेटी को वीडियो कॉल करके अश्लील बातें करता था। महिला ने अपने और अपने परिवार की जान का खतरा भी बताया है। सूत्रों का दावा है कि प्रज्वल और उनके पिता एचडी रेवन्ना शनिवार रात ही विदेश चले गए। कहा जा रहा है कि प्रज्वल हासन सीट पर वोटिंग के बाद जर्मनी चले गए।

न्यूज डायरी

मुलायम के गढ़ में बैलगाड़ी से चुनाव प्रचार के लिए निकले भाजपा प्रत्याशी

मैनपुरी। लोकसभा चुनाव 2024 के तीसरे चरण के मतदान के लिए सभी दलों के नेता चुनाव प्रचार में लगे हुए हैं। कोई निजी तौर पर जनता से जाकर मिल रहा है, तो कोई सोशल मीडिया कैंपेन के जरिए लोगों से जुड़ रहा है। इसी बीच मैनपुरी से भाजपा के प्रत्याशी जयवीर सिंह ने प्रचार का एक नया तरीका अपनाया। कैबिनेट मंत्री बैलगाड़ी पर सवार होकर जनता के बीच पहुंचे। मैनपुरी में सोमवार को उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री और भाजपा प्रत्याशी जयवीर सिंह बैलगाड़ी पर चुनाव प्रचार करते नजर आए। वे जसवंतनगर के चौबिया कस्बे में वोट मांग रहे थे। जसवंतनगर सपा का गढ़ माना जाता है। यहां से शिवपाल सिंह यादव विधायक हैं और यहां से सपा को लोकसभा चुनाव में बड़ी लीड मिलती है। जसवंतनगर विधानसभा क्षेत्र मैनपुरी लोकसभा क्षेत्र का ही एक हिस्सा है।

नेपाली युवक का फंदे से लटकता मिला शव, कपड़े की दुकान में करता था काम

ऊधम सिंह नगर। खटीमा में कपड़े की दुकान में काम करने वाले एक नेपाली युवक का शव कमरे में फंदे पर लटका हुआ मिला। युवक की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। मूलरूप से गेटागेटी, महेंद्र नगर, नेपाल निवासी मुकेश बोहरा (31) अपनी पत्नी, एक पुत्र व एक पुत्री के साथ पंजाबी कालोनी में किराए के मकान में रहता था। वह खटीमा मुख्य बाजार स्थित एक कपड़े की दुकान में करता था। पुलिस के मुताबिक, रविवार शाम को दुकान में काम करने के बाद वह घर चला गया था। देर शाम उसके पत्नी व बच्चे कहीं गए हुए थे। वह कमरे में अकेला था। पत्नी व बच्चे जब वापस लौटे तो मुकेश का शव खिड़की पर गमछे के फंदे पर लटका हुआ मिला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में रखवा दिया।

पुलिस के मुताबिक मुकेश ने परिवार के खिलाफ जाकर नेपाल में ही प्रेम विवाह किया था। जिसके बाद वह पत्नी को लेकर खटीमा में पंजाबी कालोनी में किराए पर रहने लगा। वह करीब 10-12 सालों से कपड़े की दुकान में काम कर रहा था। उसका 11 साल का एक बेटा व आठ साल की बेटी है। उसने मकान बनाने के लिए खेतलसंडा खाम में एक प्लॉट लिया था। मृतक के परिजनों को सूचना दे दी गई है।

शराब पीकर चोरी कर ली पुलिस की ही गाड़ी, होश आया तो देखकर उतर गया सारा नशा

देहरादून। नशे में धुत एक युवक ने पुलिस की ही गाड़ी चोरी कर ली। कुछ देर बाद पता चला कि गाड़ी पुलिस की है तो उसे सड़क किनारे छोड़कर भाग गया। पुलिस ने कई घंटे बाद युवक को ढूंढकर पकड़ लिया। पता चला कि उसने नशे की लत के चक्कर में गाड़ी चोरी कर ली थी। पुलिस ने उसका पुलिस एक्ट में चालान किया है। आरोपी के बारे में और भी जानकारियां जुटाई जा रही हैं। घटना रायपुर स्थित पीएसी कैंप की है। यहां पर सड़क किनारे पीएसी का एक वाहन (पिक-अप) खड़ा हुआ था। रविवार सुबह करीब सात पीएसी कर्मचारियों ने देखा कि वाहन अपनी जगह पर नहीं था। कर्मचारियों ने वाहन की तलाश की और कंट्रोल रूम को सूचना दी। पुलिस ढूंढते हुए वाहन तक पहुंची। करीब डेढ़ किलोमीटर दूर वाहन सड़क किनारे खड़ा मिला। पुलिस ने इसे ले जाने वाले की भी तलाश शुरू की। सीसीटीवी कैमरों और अन्य माध्यमों से तलाश करते हुए पुलिस अमन भार्गव निवासी एमडीडीए कॉलोनी डालनवाला के घर तक जा पहुंची। पता चला कि अमन नशे का आदी है। उसने पूछताछ में पुलिस को बताया कि नशे की हालत में उसने पुरानी चाभी से इस वाहन को स्टार्ट किया था। कुछ देर बाद जब उसने विंड स्क्रीन (सामने वाला शीशा) पर पुलिस लिखा देखा तो उसे होश आया। पता चला कि वह तो पुलिस की गाड़ी चोरी कर ले जा रहा है। इस डर से उसने गाड़ी को वहीं सड़क किनारे खड़ा कर दिया। एसएसपी अजय सिंह ने बताया कि पुलिस ने अमन भार्गव का पुलिस एक्ट में चालान किया है। साथ ही उसके परिजनों की काउंसलिंग भी की गई है। इस मामले में जांच भी जा रही है।

अमेठी में रोड शो कर स्मृति ईरानी ने दिखाई ताकत

अमेठी। केंद्रीय मंत्री व भाजपा उम्मीदवार स्मृति जूबिन ईरानी ने मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव व भाजपा के वरिष्ठ नेताओं व कार्यकताओं की मौजूदगी में अमेठी लोकसभा सीट पर सोमवार को नामांकन दाखिल कर दिया। वह तीसरी बार इस सीट पर प्रत्याशी बनाई गई हैं। 2019 में गांधी परिवार का गढ़ मानी जाने वाली इस सीट पर उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को मात दी थी। इस बार भी कयास लगाए जा रहे हैं कि अमेठी सीट पर गांधी परिवार का ही कोई सदस्य चुनाव लड़ेगा। नामांकन से पहले भाजपा प्रत्याशी ने रोड शो कर शक्ति प्रदर्शन किया और जीत के लिए दावेदारी की। रोड शो में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता नजर आए। अगर कांग्रेस अमेठी सीट पर गांधी परिवार के किसी व्यक्ति को उम्मीदवार बनाती है तो मुकाबला रोचक हो सकता है। नामांकन की अंतिम तारीख 3 मई है। इस सीट के लिए मतदान 20 मई को होगा। कांग्रेस जल्द ही इस सीट पर उम्मीदवार घोषित करेगी। नामांकन से पहले स्मृति ईरानी ने अमेठी स्थित अपने आवास पर पूजापाठ किया। इस दौरान उनके परिजन भी नजर आए। स्मृति ने बीती फरवरी को ही नए बने इस आवास में गृह प्रवेश किया था। 2019 में उन्होंने वादा किया था कि वह अमेठी में अपना घर बनाएंगी और उन्होंने अपना वादा पूरा किया। अमेठी में निर्दलीय उम्मीदवार ने किया पहला नामांकन

अमेठी लोकसभा सीट से सोमवार को पहला नामांकन निर्दलीय उम्मीदवार सुरेंद्र कुमार ने किया। उन्होंने दो सेट में नामांकन पत्र जिला निर्वाचन अधिकारी निशा अनंत के समक्ष दाखिल किया। वैसे अभी तक 15 उम्मीदवारों ने 22 सेट में पर्चे लिए हैं। नामांकन को लेकर कलेक्ट्रेट में सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए गए हैं।

यह चुनाव आने वाली पीढ़ी के भविष्य का फैसला करेगा : अखिलेश यादव

एटा। उत्तर प्रदेश के एटा जिले में अखिलेश यादव चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे हैं। यहां से उन्होंने सपा प्रत्याशी लिए वोट मांगे। इस दौरान सपा मुखिया ने कहा कि ये चुनाव आने वाली पीढ़ी के भविष्य का फैसला करेगा। वो लोग संविधान को खत्म करना चाहते हैं, संविधान के भक्षक हैं। हम लोग रक्षा करना चाहते हैं।

अखिलेश यादव ने कहा कि एटा के लोगों को बीजेपी ने बहुत धोखा दिया है। इनका हर वादा झूठा निकला। सवाल करते हुए कहा कि कोई बताए क्या आय दोगुनी हुई। 10 साल में एक लाख किसानों ने आत्महत्या की है। नौजवानों का भविष्य खत्म कर दिया गया है। हर परीक्षा का पेपर लीक हो रहा है।

अखिलेश यादव ने संघ को सबसे खतरनाक परिवार बताया। उन्होंने कहा कि यादवों का नाम लेकर हमें बदनाम करते हैं, पीडीए परिवार घबराए हुए हैं। झूठे मुकद्दमे लगाए गए। कोरोना वैक्सीन लगाने वाली कंपनी को डराकर चंदा वसूला गया।

देहरादून की राजधानी में भीषण अग्निकांड 22 झोपड़ियां जलकर हो गईं राख

देहरादून। राजधानी देहरादून में सुबह भीषण अग्निकांड की खबर सामने आई है। दून के खुड़बुड़ा मोहल्ले में आग से 22 झोपड़ियां जलकर राख हो गई। अब तक मिली जानकारी के अनुसार मजदूर यहां तांबा जला रहे थे। तभी यह हादसा हो गया।

खुड़ बुड़ा मोहल्ला में भीषण अग्निकांड से आसपास हड़कंप मच गया। एक प्लॉट में टिन शेड में बनी 22 झुग्गी झोपड़ियां राख हो गई। बताया जा रहा है कि यहां रहने वाले मजदूर तांबा जला रहे थे। उसी वक्त हादसा हुआ। गनीमत रही कि आग से पहले ही सभी बच्चे और यहां रहने वाले लोग बाहर चले गए। आग से यहां पर रखें आठ नौ छोटे-बड़े सिलिंडर भी फट गए। करीब एक घंटे में दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पा लिया। यहां 22 से 23 परिवार रहते है जो कूड़ा बीनने का काम करते हैं। सुबह कुछ लोग तार जलाकर उसने से तांबा निकाल रहे थे। इसी बीच हादसा हो गया। यहां आठ-नौ सिलिंडर एक साथ फटने से आग विकराल हो गई। हादसे की खबर मिलते ही दमकल की टीम मौके पर पहुंची। आग बुझाने में टीम को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी।

इंदौर से अक्षय कांति बम का टिकट तय

इंदौर। इंदौर से कांग्रेस को मजबूत उम्मीदवार नहीं मिल रहा था। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी की पसंद पर अक्षय कांति बम का टिकट तय हुआ था। भाजपा वैसे ही उन्हें साफ्ट टारगेट मान रही थी,लेकिन फिर उन्हें भाजपा में लाने की रणनीति पर काम हुआ। सब कुछ पहले से तय था,लेकिन भाजपा को नाम वापसी की तिथि का इंतजार था। सोमवार सुबह अक्षय बम तिरंगा दुपट्टा पहन कर चोथइराम मंडी पर जनसंपर्क करने पहुंचे। यहां के फोटो उन्होंने अपने फेसबुक अकाउंट पर अपलोड किए। इसके बाद वे अकेले पलासिया में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के तीन नंबर बंगले पर पहुंचे। यहां विजयवर्गीय उनका इंतजार पहले से कर रहे थे। नाश्ते के बाद विधायक रमेश मेंदोला के साथ उन्हें कलेक्टर कार्यालय भेजा गया। इसके लिए एमआईसी मेंबर जीतू यादव के वाहन का इस्तेमाल किया गया।

अल्मोड़ा के गोविंदपुर में मकान में लगी भीषण आग, 3 घंटे बाद पाया गया काबू

अल्मोड़ा। अल्मोड़ा जिले के गोविंदपुर में तीन मंजिला मकान में आग धधक गई। आग से मकान की खिड़की, दरवाजे, छत की दीवार, इमारती लकड़ी समेत खाद्य सामग्री जल गई। तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। आग से 20 लाख रुपये से अधिक के नुकसान का अनुमान है। हालांकि हादसे में किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। फिलहाल आग का कारण शार्ट सर्किट बताया जा रहा है। शनिवार की रात एक बजे जिले के गोविंदपुर निवासी खीम सिंह, कैलाश सिंह, निर्मला देवी के संयुक्त आवासीय तीन मंजिला मकान में आग धधक गई। उस समय परिजन घरों में सोए थे। नींद खुली तो मकान को चारों तरफ आग से घिरा देख कर उनके होश उड़ गए। किसी तरह घरों से बाहर निकल कर उन्होंने जान बचाई। उन्होंने मकान में आग लगने की सूचना फायर स्टेशन को दी। सूचना मिलने के बाद दमकल टीम अग्निशमन अधिकारी महेश चंद्र के नेतृत्व में घटनास्थल पर पहुंची। कड़ी मशक्कत के बाद करीब तीन घंटे बाद आग पर काबू पाया लेकिन तब तक मकान की खिड़की, दरवाजे, छत, खीम सिंह के नव निर्माण के लिए रखी गई इमारती लकड़ी और खाद्य सामग्री जल गई। बताया गया कि खीम सिंह को चार लाख रुपये, कैलाश सिंह और निर्मला देवी को तीन लाख समेत कुल 20 लाख रुपये के नुकसान का अनुमान है।

आग बुझाने में खत्म हो गया अग्निशमन वाहन का पानी

आग बुझाने में अग्निशमन वाहन का पानी खत्म हो गया लेकिन आग काबू पर नहीं आई। फायर यूनिट ने मोटर फायर इंजन से चार डिलीवरी होज पाइप फैलाकर मोटर फायर इंजन से सड़क से 100 मीटर दूरी पर मकान में लगी आग बुझाने का प्रयास किया। लेकिन इस दौरान अग्निशमन वाहन में पानी समाप्त हो गया। बाद में गांव के पानी के टैंक से पानी लेकर आग बुझाई जा सकी।

पुलिस सुधारों के बिना सुप्रीम कोर्ट संवैधानिक पीठ के फैसले को लागू करना असंभव : रावत

नई दिल्ली। संवैधानिक समानता, विधायिका द्वारा नए आचार संहिता का पालन, भारत के मुख्य न्यायाधीश के नेतृत्व वाली संविधान पीठ द्वारा इलेक्टोरल बान्ड या चुनावी बान्ड योजना की कानूनी वैधता के साथ संसदीय विशेषाधिकारों को नियंत्रित करने के लिए पुलिस व्यवस्था में सुधारों की सख्त जरूरत है। दिल्ली पुलिस अराजपत्रित रिटायर्ड औफिसर्ज एसोसिएशन के अध्यक्ष छिददा सिंह रावत ने भारत के राष्ट्रपति और सुप्रीम कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश को एक पत्र भेजकर निवेदन किया है कि सरकार की ये तमाम योजनाएं तभी संभव है जब ब्रिटिश कालीन कानूनों में संशोधन हो। उन्होंने कहा कि ब्रिटिशकालीन कानून का विरोध करने के लिए 14 अप्रैल 1967 याद किया जाना चाहिए। 14 अप्रैल 1967 को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने अपनी ताकत का इस्तेमाल कर मान्यता प्राप्त दिल्ली पुलिस संगठन के हम 18 पदाधिकारियों को राष्ट्रपति के आदेश से बर्खास्त करवा दिया था। पुलिस वाले की प्रधानमंत्री के कोठी के घेराव के दौरान भगदड़ मची और पुलिस के जवान पुलिस के खिलाफ सड़क पर अड़े रहे! एक हजार से ज्यादा जवान गिरफ्तार किए गए। हालांकि सुप्रीम अदालत के फैसले के कई बर्खास्त पुलिस वाले दोबारा सेवा में लौट आए थे। ब्रिटिशकालीन कानून में सुधार हो सके और लाखों पुलिस वाले को उनका दर्जा मिलने के साथ उनकी सालों से लंबित मांगें मानी जाए इसलिए हम दोबारा सुप्रीम कोर्ट जा रहे हैं।

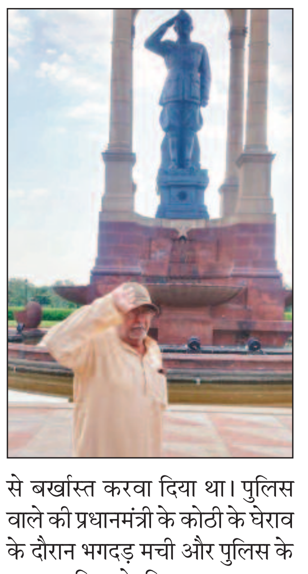

रावत ने कहा कि यह हिम्मत नेताजी के पदचिन्हों पर चलने के कारण हमे आया है। इतिहास गवाह है कि वास्तविक स्वतंत्रता के लिए नेता जी सुभाषचंद्र बोस के सिद्धांतों का अनुशरण करने के लिए और भारत माता को भ्रष्टाचारियों की दास्ता से मुक्त कराने के लिए शहादत देना भी बड़ी चीज नहीं रही है। इसलिए लोकतांत्रिक देश हिंदुस्तान की राजधानी की सुरक्षा में लगे दिल्ली पुलिस के बुजुर्ग हो चुके जवान अपने जीवन के अनुभव से अनुशासन में रहकर देशभक्ति का अनुशरण करते हुए प्रशासनिक (पुलिस) सुधारों के लिए संघर्षरत रहेगा! स्वतंत्रता के अमृत महोत्सव तक ब्रिटिश साम्राज्य के ही कानून कायदों 1860 /1861 से ही पुराने ढर्रे से प्रशासनिक, न्यायिक रोजमर्रा के जीवन में क्रियान्वित है।

कलकत्ता हाईकोर्ट से 26 हजार शिक्षकों को झटका

सीबीआई जांच के आदेश पर 'सुप्रीम' रोक

कलकत्ता। कलकत्ता उच्च न्यायालय के एक फैसले पर सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी है। सर्वोच्च अदालत ने उस फैसले पर रोक लगाई है, जिसमें उच्च न्यायालय ने शिक्षक भर्ती घोटाले में पश्चिम बंगाल सरकार के अधिकारियों की भूमिका की जांच के लिए सीबीआई को निर्देश दिया था। सुप्रीम कोर्ट की तीन सदस्यीय पीठ ने की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ सोमवार को पश्चिम बंगाल सरकार की याचिका पर सुनवाई की। पीठ में न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा भी शामिल थे। बंगाल सरकार ने कलकत्ता हाईकोर्ट के उस फैसले को सर्वोच्च अदालत में चुनौती दी, जिसमें उच्च न्यायालय ने राज्य संचालित और राज्य सहायता प्राप्त स्कूलों में स्कूल सेवा आयोग (एसएससी) द्वारा की गई 25,753 शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की नियुक्ति को अमान्य कर दिया था। पीठ अब इस मामले की सुनवाई छह मई को करेगी। हालांकि, सुनवाई के दौरान पीठ ने कहा कि हम कलकत्ता हाईकोर्ट के उस फैसले पर रोक लगाते हैं, जिसमें सीबीआई को राज्य सरकार के अधिकारियों के खिलाफ जांच करने के आदेश दिए गए थे।

ममता बनर्जी ने कहा- हाईकोर्ट का फैसला अवैध है

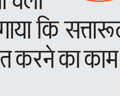

ममता बनर्जी ने हाल ही में हाईकोर्ट के फैसले को अवैध बताया। उन्होंने कहा कि हम उन लोगों के साथ खड़े हैं, जिनकी नौकरियां चली गई हैं। बनर्जी ने भाजपा पर आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ दल द्वारा न्यायपालिका के निर्णयों को प्रभावित करने का काम किया जा रहा है।

ब्याज सहित वापस करना होगा वेतन

हाईकोर्ट ने नियुक्तियां अमान्य करते हुए कहा था कि जिन लोगों को एसएससी पैनल की समाप्ति के बाद नौकरी मिली, उन्हें जनता के पैसे से भुगतान किया गया। सभी को चार सप्ताह के अंदर ब्याज सहित वेतन लौटाना होगा। सभी को 12 फीसदी सालाना ब्याज के साथ पैसा लौटाना होगा। नए लोगों को नौकरी मिलेगी। हाई कोर्ट ने 15 दिनों के अंदर अंदर प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश दिया है।

कोसी नदी दाबका पार में खनन को लेकर दो पक्षों में खूनी संघर्ष

लाठी-डंडे और हवाई फायरिंग का भी आरोप, छह घायल

ऊधम सिंह नगर। कोसी नदी दाबका पार में खनन को लेकर दो पक्षों में लाठी-डंडे और तलवारें चल गईं। घटना में एक पक्ष के छह लोग घायल हो गए। आरोपियों पर तीन-चार राउंड हवाई फायरिंग करने और वाहन चढ़ाने का भी आरोप लगा है। मामले में तीन नामजद और 20-25 अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। बलविंदर सिंह, जयमल सिंह, गुरपेज सिंह और 20/25 अन्य लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। रविवार को कोसी नदी दाबका पार में काशीपुर के गांव गुलजारपुर और बाजपुर के गांव गोबरा नई बस्ती के खनन कारोबारियों के बीच विवाद हो गया। इस दौरान दोनों पक्षों के समर्थक आ धमके। देखते ही देखते दोनों पक्षों में लाठी-डंडे और तलवारें चल गईं। मारपीट में हरवंश सिंह, सुलेंद्र सिंह, पाला सिंह, बलविंदर सिंह, सुभाष सिंह, भजन सिंह निवासी गांव गोबरा नई बस्ती बाजपुर घायल हो गए। इस घटना से खनन क्षेत्र में अफरातफरी मच गई। वहां मौजूद इधर-उधर भागने लगे। लोगों ने घायलों को बाजपुर के उप जिलाचिकित्सालय में भर्ती कराया। हालत गंभीर होने पर हरवंश सिंह, सुलेंद्र सिंह को हायर सेंटर रेफर कर दिया। भजन सिंह की तहरीर पर पुलिस ने बलविंदर सिंह, जयमल सिंह, गुरपेज सिंह और 20-25 अन्य लोगों के खिलाफ धारा 147, 148, 149, 307, 323, 504, 506 के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया। कोसी नदी क्षेत्र में विवाद हुआ है। आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। शांतिभंग करने वालों को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हवाई फायरिंग होने की भी सूचना मिली है। पुलिस टीम आरोपियों की तलाश में जुटी है। मामले की जांच बन्नाखेड़ा पुलिस चौकी प्रभारी विक्रम सिंह धामी को सौंपी गई है।

दैनिक
करंट क्राइम
सिर्फ सच...
www.currentcrime.com

मतदान प्रतिशत कम होने को लेकर करंट क्राइम ने रखा जनता के बीच सवाल

किसी ने कहा संगठन निष्क्रिय, किसी ने कहा बीएलओ की कमी और किसी ने बताया दिल्ली खुला होने को जिम्मेदार

गाजियाबाद, करंट क्राइम। मतदान प्रतिशत कम रहा और निर्वाचन आयोग से लेकर सामाजिक संस्थाओं के प्रयास के बाद भी मतदान प्रतिशत कम रहा और औसत मतदान में आधी आबादी ने भाग ही नहीं किया। मतदान का आंकड़ा 50 प्रतिशत को भी पार नहीं कर पाया इसका मतलब यह हुआ कि लोकसभा मे आधे मतदाताओं ने वोट ही नहीं डाला। दुनिया के सबसे बड़े प्रजातंत्र में लोकतंत्र महोत्सव में आखिर लोग क्यों शामिल नहीं हुए। क्या कारण रहे कि मतदान का ग्राफ गिर गया। इसे लेकर करंट क्राइम ने अपने पाठकों से ही सवाल रखा, उनके बीच में ये बात रखी और पाठकों की राय इस पर अलग अलग आई। किसी ने कम मतदान के लिए बीएलओ को जिम्मेदार बताया। किसी ने कहा कि संगठन की कार्य प्रणाली से ऐसा हुआ तो किसी ने कहा कि गाजियाबाद के सटे दिल्ली इलाके का खुला होना इसके लिए जिम्मेदार है क्योंकि दिल्ली से सटे लोनी, साहिबाबाद, खोड़ा इलाके में एक बड़ी आबादी रोजगार के लिए रोजाना दिल्ली जाती है और ये आबादी मतदाता भी है। सभी ने अपनी अपनी राय रखी और कम मतदान को लेकर ये बात सामने निकलकर आई कि अगर कुछ कारणों का निवारण हो जाता तो मतदान का प्रतिशत बढ़ जाता।

चौधरी शीतल देयल
इतना भी काम नहीं होता, अगर आपको पीछे कोई, चुनाव याद हो तो आशु वर्मा जी के चुनाव याद करों अतुल गर्ग जी बहुत अच्छे वोट से जीत रहे है।

किरनपाल मावी
जब तक खुद को खीर मिलती रही तो खुश रहे और दूसरे को मिलने पर थाली में लात मारना मुख्य कारण रहा... और कुछ अधिकारियों द्वारा वोटर लिस्ट में गड़बड़ी...

नमिता भल्ला
राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रखर फाउंडेशन
गाजियाबाद में मतदान का प्रतिशत बहुत कम रहा जिसका अनुमान पहले ही लोगों का था प्रत्याशी की खबर मिलते ही लोगों ने कहना चालू कर दिया था कि अब कि हम तो नोटा ही दबाएंगे। मेरा मानना ऐसा है कि पहले जनता अपमान भूल जाती थी अब जनता को अपना अपमान याद रहा और वह कहते हैं ना कि वक्त आने पर बताएंगे तो जनता ने बता दिया वक्त आने पर बीजेपी जरूरी प्रत्याशी मजबूरी पोलिंग बूथ पर लोग एक दूसरे को बराबर से कहते हुए निकल रहे थे नंबर 2 दबाना नंबर 2 दबाना अब आप समझ ही सकते हैं कि यह किसके लिए था फिर भी हमारा कहना यह है कि जो सही सरकार है वही आए जनता का भला सोच वही आए ऐसा ना हो कि रोजगार मेला लगा दिया गया पेपर्स में आ गया टीवी में आ गया लेकिन रोजगार एक को भी ना मिला जो कहे उसे करो तो कम से कम सीधी और सच्ची बात इस बार प्रत्याशी लुभा ना पाए अब देखते हैं रिजल्ट क्या होगा जो वोट डालने गए जो नहीं डालने गए सबने अपनी मर्जी की है

----

facebook
हिमाशु लव शर्मा
मतदान प्रतिशत का कम होना के पीछे चुनाव आयोग के द्वारा प्रकाशित मतदाता सूचियां में अधिकतर मतदाताओं के नाम गायब थे और कुछ मतदाता सूचियां में कई-कई मोहल्ले एक ही बूथ पर रखे गए थे जोकि वास्तव में गलत थे और पक्ष विपक्ष के कार्यकताओं में और मतदाताओं में उदासीनता थी सत्ता पक्ष के कार्यकर्ता अति उत्साह के कारण उदासीन थे मतदाताओं को अपने घरों से बाहर नहीं निकाल पाए भाजपा का बूथ प्रबंधन पूरी तरह से फैल रहा और रही बात पुराने कार्यकर्ताओं की तो उसकी जरूरत वर्तमान संगठन को जरूरत नहीं थी।
Like Comment Share

facebook
जितेन्द्र नागर
कुछ वार्डो मै वोटे गायब थी जैसे 4 लोगो मै से 3 की वोटे कट गयी जिसे वोट प्रतिशत कम हुआ। अपनी ड्यूटी को ठीक से नही किया जिस कारण वोटो का कटना मुख्य कारण रहा।मतदाता लिस्ट से अनेको के नाम गायब होना कही कही मतदान केन्द्रो पर आधार कार्ड से वोट ना डालने देना क्योकि सरकारी कर्मचारियों को जानकारी का आभाव भी देखने को मिला
Like Comment Share

facebook
विवेक कुमार सिंह
योगी मोदी जी के नाम पे जीतकर काम ना करना और जनता के हिसाब मांगने पे योगी और मोदी चालीसा पढ़ना साहिबाबाद मे सरकारी अस्पताल स्कूल का ना होना इस वजह से लोग अब नेताओ को अहमियत नहीं दे रहे इस वजह से कार्यकरताओ मे उत्साह ना होना और वोट को लेकर माहौल ना बनना इससे भी बुरा विधानसभा मे होगा।
Like Comment Share

facebook
विरजेश कुमार मिश्रा
दिल्ली एनसीआर के चुनाव में अलग-अलग तिथि होने के कारण यह है समस्या सामने आ रही है यदि एक दिन होते तो सभी का अवकाश होता क्योंकि गाजियाबाद में 26 अप्रैल को चुनाव था और दिल्ली में 20 में को चुनाव प्रस्तावित है तो दिल्ली की संस्थाओं ने छुट्टी देने में बहुत ही मनमानी की है।
Like Comment Share

facebook
जय दीक्षित
भाजपा के वर्तमान देवतुल्य कार्यकर्ता सोशल मीडिया पर धुंआधार प्रचार में लगे रहे और मतदाताओं के यहाँ वोटर पर्ची पहुँची ही नही। गाजियाबाद लोकसभा प्रत्याशी के लिए देश के प्रधानमंत्री, 2 बार मुख्यमंत्री, रक्षा मंत्री, 2 उप मुख्यमंत्री, 1 भारत सरकार के कैबिनेट मंत्री व स्थानीय सांसद, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री, दिल्ली के सांसद और प्रत्याशी मनोज तिवारी, उत्तर प्रदेश प्रदेश अध्यक्ष, क्षेत्रीय अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री व स्थानीय विधायक समेत 4 विधायक, उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री और एमएलसी, 1
Like Comment Share

सभी अपने-अपने तथाकथित चेलों के यहां प्रोग्राम कर' रहे थे जिससे पुराने कार्यकर्ता भारत मां की जय करने से वंचित रह गए। इस चुनाव में सभी की भागीदारी सुनिश्चित होनी चाहिए थी।एक या दो के प्रयास एलेक्शन नहीं जीते जाते हैं।

facebook
विरेन्द्र कुमार
वोट कम होने का कारण भारतीय जनता पार्टी के लोगों ने वोट बनवाने में लापरवाही करी और जो भी पर्ची सरकारी बट रही थी उन पर ही विश्वास रखा कोई भी भारतीय जनता पार्टी का कार्यकर्ता किसी के घर पर्ची पकाने नहीं गया सिर्फ मोदी जी के नाम पर वोट मांगे गए इस वजह से 10 लाख वोटो से जीतेंगे 567 000 हजार जनरल बी के सिंह साहब वाली 200000 वोट लोकल प्रत्याशी की 133000 वोट राष्ट्रीय लघु दल और मुसलमान की जो गठबंधन हुआ है।...
Like Comment Share

वोटिंग भी नहीं कर सकते थे इसलिए उन्होंने वोट ना देना ही अपने लिए अच्छा सोचा यही कारण है कि वोट प्रतिशत काम पड़ा।

प्रदीप चौहान वाल्मिकि
वोटर लिस्ट पर प्रशासन ने किसी भी तरह का ध्यान नहीं दिया,'ङ्क खुद परेशान थे की क्या करना चाहिए जब तक सभी चुनाव की एक वोटर लिस्ट नहीं होगी और जनप्रतिनिधियों का सहयोग नहीं लिया जाएगा तब तक इसी तरह से होगा यह लोकतंत्र की स्वच्छ परंपरा नहीं है प्रशासन की लापरवाही थी जिस कारण मतदान हल्का रहा।

कार्तिक त्यागी
मतदान परचियां घर नहीं पहुंची,मतदाता सूची में नाम आगे पीछे थे, गाजियाबाद की 60% आबादी दिल्ली में नौकरी करती है और दिल्ली में छुट्टी नहीं थी, गर्मी भी एक मुख्य करण है

संजय त्यागी
प्रशासनिक अधिकारियों का ढुलमुल रवैया बार-बार पत्र लिखने के बाद भी चिन्हित जगह पर कार्रवाई न करना दो-दो किलोमीटर दूर मतदान केंद्र का बनाना तीन दिन की लगातार छुट्टी होना अत्यधिक गर्मी भारी मात्रा में मतदाताओं के वोटर लिस्ट में मतदाताओं का नाम ना होना मेरे द्वारा जिला अधिकारी महोदय गाजियाबाद एसडीएम सदर गाजियाबाद को दिनांक 11 3 2024 में अलग-अलग पत्र लिखकर श्री राम मॉडर्न नवनिर्मित मतदान केंद्र के बारे में बताया गया जिस पर 6 भाग संख्या और 10000 से अधिक मतदाता थे बार-बार पत्र लिखकर प्रशासन को चेतन का काम किया कि मतदान 20% भी नहीं हो पाएगा क्योंकि यहां पर अपने दो ढाई किलोमीटर दूर के मतदाताओं को मतदान करने का मौका दिया है जबकि श्री राम स्कूल जी भाग संख्या में पड़ता है वहां के मतदाता को 2 किलोमीटर दूर लेकिन किसी ने भीध्यान नहीं

उदयान गर्ग
जैसा काम वैसे दाम बाकी इस बार बहुत बड़े स्तर पर वोटिंग लिस्ट गायब थी

पवन रेड्डी
गाजियाबाद में नए सिरे वोट बनाया जाए blo से ये काम नही कर पाएंगे प्राइवेट कंपनी को लगाया जाए ताकि एक एक वोट सिस्टम से बने सबसे नजदीक सेंटर हो परमानेंट वोटर के सेंटर बनाया जाए जो 18 साल के हुए तुरत वोट बन जाए सबसे गैर जिम्मेदारी पटवारी की रही हे जो जो पटवारी हे इनसे जवाब मांगा जाए इनको सब पता है किस वोटर लिस्ट सेंटर किधर होना चाहिए मगर इन्होंने काम नही किया

----

facebook
अनिता राणा
अतुल गर्ग जी अच्छा वोट से जीतेंगे इसमें कोई शक नहीं लेकिन मतदान प्रतिशत कम रहा यह सही है कुछ करतब मतदाता का भी होता है पर्ची भी बांटो रोड शो करो घर-घर से बुलाने जो क्या इतना सही है इस देश में जब मास्क लगाने के लिए पुलिस को लाठी चलानी पड़ी तो आगे खुद समझदार हैं...
Like Comment Share

एडवोकेट महीम गुप्ता
मेरे यहां एक ब्लॉक के घरों की सूचीं जो हमेशा एक बूथ पर होती है उसकी वोट इस बार 3 अलग अलग बूथों में थी जिस कारण लोग परेशान हुए परंतु फिर भी मैंने ना सिर्फ ऐसे मतदाताओं की वोट दूसरे बूथों से निकाल के डलवाई बल्कि मेरे द्वारा फ्ङ्गअ के ग्रुप पर भी ये सूचना डाली गई जिससे कोई अपने बूथ पर वोट कटी देख कर वापस ना आए। एक ही परिवार की कुछ वोट एक बूथ पर और कुछ दूसरे बूथ पर थीं

रनीता सिंह
पिछले चुनाव में हाई राइज सोसाइटी को कहा जाता था कि वह मतदान नहीं करते हैं और इस बार भी शुक्रवार, शनिवार एवं इतवार होने के कारण घूमने चले जाएंगे लेकिन इन हाई राइस बिल्डिंग में रहने वाले लोगों ने इस

facebook
मैहताब खान
10% परसेंट लोगों को तो यह भी पता नहीं है हमारे यहां चुनाव हो गया है प्रत्याशी द्वारा मैनेजमेंट ठीक से नहीं कर पाना और पुराने कार्यकताओं को अनदेखा करने के करण कार्यकताओं ने जनता को जागरूक नहीं किया क्योंकि कार्यकर्ता ही होता है जो हर दरवाजे पर दस्तक देता है प्रत्याशी सब जगह नहीं जा
Like Comment Share

मिथक को तोड़ दिया चाहे क्रॉसिंग रिपब्लिक हो या फिर राजनगर एक्सटेंशन की हाई राइज बिल्डिंग सभी ने दिल खोलकर मतदान किया है कहीं पर भी 65% से नीचे मतदान नहीं हुआ है कहीं-कहीं तो 70% से अधिक मतदान हुआ है अतुल गर्ग जी प्रचंड बहुमत से विजई हो रहे हैं

बलवीर सिंह
जहां बीएसपी का वोटर संख्या ज्यादा थी वहां पर काफी ज्यादा संख्या में वोट काटी गई थी इस लिए कम पड़ा मतदान केंद्र पर नगर निगम के चुनाव में बसपा छोड़ दूसरी पार्टी के प्रत्याशी के दवा में बीएलओ ने काफी ज्यादा वोट कटी

ऋचा सिंह भदोरियां
रनीता सिंह इस बार हाई राइस सोसाइटीज का कार्य पूर्व मेयर आदरणी

facebook
अनु चौधरी
चुनाव प्रतिशत गर्मी की वजह से कम हुआ है और दुसरा कारण वोटर लिस्ट में नाम कटे हुए थे बाकी कोई और कारण नहीं है भाजपा प्रत्याशी श्री अतुल गर्ग जी 6 लाख वोटो से जीत रहे हैं इसमें कोई समस्या नहीं है।
Like Comment Share

आशू वर्मा जी के नेतृत्व मे मेरे द्वारा किया गया जिसमें कि लगभग 450 हाई राइस सोसाइटीज है और लगभग 3 लाख वोट है हमारे जिस भी सम्मानित पार्षद भाई के वार्ड में जो भी हाई राइस सोसाइटीज

facebook
निखिल प्रजापति
चुनाव प्रतिशत कम रहने का काफी कारण है ।गर्मी बहुत अधिक थी जिसके कारण मतदाता घरों से बाहर नहीं आए ।बहुत से स्थानो पर वोटरों के नाम वोटर लिस्ट से गायब मिले और बी एल ओ ने भी हर घर तक पर्चियों का वितरण नहीं किया ।
Like Comment Share

थी उन्होंने भरपूर सहयोग किया प्रत्येक सोसाइटी की अलग टीम बनाकर बहुत ही व्यवस्थित तरीके से कार्य को परिणाम में परिवर्तित किया गया ।परिणामस्वरूप सभी हाईराइस सोसाइटी में मतदान का प्रतिशत68% रहा जो कि बहुत अच्छा है ।आप सभी के सहयोग के लिये हार्दिक धन्यवाद श्री अतुल गर्ग जी भारी बहुमत से विजयी होंगे ।

सुनित त्यागी
विगत 15 वर्षो से गाजियाबाद के चुनाव में अग्रणीय भूमिका निभा रहा हूँ। पहली बार इस लोकसभा चुनाव मे पुराने कार्यकताओं की कोई जरूरत ही नही थी। यह भी एक मुख्य कारण रहा है।

अरूण कुमार
पुराने कार्यकर्ता को नजर अंदाज करना

अवतार भाटी
फ्राइडे इलेक्शन के बाद शनिवार और रविवार साथ ही दिल्ली मैं इलेक्शन की तारीख अलग होना भी।

----

facebook
आन्नद शर्मा
बहुत ज्यादा वोट कटी हुई थी भारत मे चुनाव का आदर्श समय मौसम के हिसाब से यह नही है बूथों की संख्या कम कर दी गई है जबकि सहूलियत के हिसाब से बूथों को बढ़ाना चाहिएखेती बाड़ी में लगे लोग वोट नही दे पाए।
Like Comment Share

गुरूमीत
सातो चरणों मे से छ चरणों का चुनाव शुक्रवार को होना हैं जायदातर लोग छुट्टी मनाने निकल गए थे दूसरा कारण किसान का कटाई व बुआई का समय हैं।

सैंकी पंडित
बागपत लोकसभा का भी यहीं हाल है।

सुनील भारती
10 साल के कार्यकाल को देखते बोट१ नाराज थे सरकार से इसीलिए वोटिंग करने नहीं गए और वह बीजेपी के खिलाफ

अजय त्यागी
हर किसी को ये लगना की हमारी 1 वोट से क्या होगा जीतेगी तो भाजपा ही।

वरूण भारद्वाज
एक्सटेंडेड वीकेंड होनी की वजह से काफी असर हो रहा है।

चेतन त्यागी
गढ़मुक्तेश्वर

facebook
सतेंद्र यादव
जनता भाजपा नेताओं की रटी रटायी कहाँनियो से पक चुकी है सिर्फ.मुसलमानों का डर उधर बीएसपी एसपी कांग्रेस को जनता पहले ही नकार चुकी है रेस्टोरेंट में समोसे और पकोड़े थे जनता गुलाब जामुन खाना चाहती थी इसलिए मन मार कर घर की रोटी से ही संतुष्ट हो गयी।
Like Comment Share

लोकल के प्रत्याशी को टिकट न देना सबसे बड़ा कारण यही है जब अपनी लोकसभा में बाहरी लोग आएंगे ना ही लोकल के कार्यकर्ता को टिकट मिलेगा ना ही किसी और को।

कपिल मित्तल
चुनाव आयोग की बहुत बड़ी गलती रही है जो मतदाता पर्ची आई है उनमें एड्रेस नहीं थे जो मतदान केंद्र बनाए गए वह बहुत दूर क्षेत्र से रखे गए उसके बावजूद हम कार्यकताओं ने अपने अथक प्रयास से एक बार फिर गाजियाबाद में भाजपा की जीत सुनिश्चित की।

----

facebook
संजय सिंह
मतदाता सूची पर काम न करें या कार्यकताओं की अनदेखी करें, पूरे प्रदेश का यही हाल है जो भी हुआ बैश फोटो की राजनीति हुए हैं ग्राउंड पी काम नहीं हुआ।
Like Comment Share

facebook
संजय प्रजापति
सबसे बड़ी दिक्कत मकान नंबर की रही जो मकान पुराने थे । मकान नंबर बदल चुके थे पहचान पत्र आधे व्यक्तियों पर थे नहीं और आधार कार्ड से वोट लिंक नहीं हो पा रही थी इसे वोट वोटर खाली हाथ वापस चले गए और वोट प्रतिशत बहुत कम हो गया।
Like Comment Share

facebook
अशोक संत
जहां तक कम प्रतिशत में मतदान की वजह है वह राजनेतिक दलों की जनता के प्रति बेरुखी मुख्य कारण है मैंने भी ग्राउंड पर पार्टी कार्यकताओं व आम लोगों को कहते सुना की भाजपा प्रत्याशी किसी भी कार्यकर्ता या जनता से सही व्यवहार करते है वर्तमान प्रत्याशी अगर कोई और होता तो वोट
Like Comment Share

facebook
अजीत गौतम
कम मतदान होने का कारण चुनाव आयोग की ज्यादा शक्ति प्रत्याशियों पर बोर्ड बैनर चुनाव प्रचार गली मोहल्ले तक नहीं पहुंच पाए लोगों को सही में पता भी नहीं लगा 26 तारीख का वोट डालने जाना है हमारे वार्ड नंबर 12 में बसपा और कांग्रेस के ठीक से बस्ते भी नहीं लगे तो आप बताइए प्रतिशत कैसे बढ़ेगा एक पर्चा लेकर कोई भी विपक्ष पार्टी का आदमी किसी के घर नहीं गया....
Like Comment Share

facebook
विकास शर्मा
जब कोई काम पार्टी को कराना होता है तो कार्यकर्ता याद आते है। वोटर पर्ची घर घर पहुंचानी हो। घर घर प्रचार करना हो। रेली में भिड़ करनी हो तो भी कार्यकर्ता याद आते है। भाजपा मैं इतने कार्यकर्ता नही है एक आवाज है जो एक ईमानदारी से एकजुट होकर कार्य करता है। भाजपा के प्रभारी ने सभी विधायकों और अध्यक्ष से पूछ कर उपर संघटन पर भेज दिया...
Like Comment Share

facebook
संदीप त्यागी
मेरा वोट दो जगह आ गए और वोट डालेगा एक जगह मेरा शत प्रतिशत मतदान होने के बावजूद परिणाम आएगा 50% बहुत सारे लोगों का भाग संख्या बदल गया है बीएलओ द्वारा पर्चियां पूरी तरीके से नहीं पहुंचाई गई है आसपास दिल्ली हरियाणा में कार्यरत गजप्रस्थ निवासी नौकरी पेशा लोग छुट्टी ना मिलने के कारण मतदान नहीं कर पाए इसके लिए रसम के चुनाव सुधार अभियान को मनाने के अलावा कोई दूसरा उपाय चुनाव आयोग के पास नहीं है।
Like Comment Share

facebook
मनोज बेबाक मुंगेरी
वोटिंग के दिन पडोसी राज्य मे नौकरी डे होना,,,कुछ % लोग एरिया छोड़कर इधर-उधर चले जाना,,,, कुछ लोग भगवान के पास भी कुछ लोग की पार्टी व प्रत्याशी मनका ना होना,,,,बहुत बड़ा वोटर लिस्ट मे गरवरी होना कार्यकर्ताओ के आपसी गुटबाजी के कारण हर मतदाता तक बात और वोटर स्लिप नही पहुंचना वोटर लिस्ट हर चुनाव का अलग-अलग होना 1994 से मतदान अभिकर्ता व बूथ मैनेजमेंट...
Like Comment Share

facebook
प्रवीण कुमार
बीएलओं ने बस्तियो में पर्ची ही नहीं बांटी लोगो के घरो में पर्ची नहीं गयी लोग परेशान रहे जब इ छ ड वोट बनाती है तो उन्हें सबका पता होता हैं की ये किसकी पर्ची हैं लेकिन उन्होंने अपना काम सही नहीं निम्भाया अगर वो सभी पर्ची बाट देती तो ये नौबत नहीं आती।
Like Comment Share

facebook
मोहित कौशिक
सातो चरणों मे से छ चरणों का चुनाव शुक्रवार को होना हैं जायदातर लोग छुट्टी मनाने निकल गए थे दूसरा कारण किसान का कटाई व बुआई का समय हैं चुनाव प्रतिशत गर्मी की वजह से कम हुआ है बाकी कोई और कोई कारण नहीं है भाजपा प्रत्याशी श्री अतुल गर्ग जी 5 लाख वोटो से जीत रहे हैं इसमें कोई समस्या नहीं है।
Like Comment Share

अमित कुमार
सबसे बड़ी कमी वोटर लिस्ट में नाम ना आना जो जिंदा है उनके नाम काट दिए गए हर बार की तरह और जिन्हें मारे 20 साल हो गए उनके नाम की पर्चियां आ रही है और उससे भी बड़ी कमी थी इस बार ना ही किसी के घर झंडा ना बैनर न स्टीकर और ना ही किसी प्रकार का चुनावी माहौल बना।

अरविंद तैवतिया
गर्मी होना और दूसरा नेताओं के द्वारा झूठे आश्वासन दिए जाना।

संपादकीय

चुनाव लोकतंत्र की जीवन-रेखा

यदि लोकतंत्र को वाकई जिंदा और प्रासंगिक रखना है, तो भरपूर मतदान कीजिए। चुनाव ही लोकतंत्र की जीवन-रेखा हैं। मताधिकार हमारा संवैधानिक, मौलिक अधिकार है, क्योंकि हम एक स्वतंत्र और संप्रभु राष्ट्र हैं। मतदान छुट्टी या सैर-सपाटे का दिन नहीं है, क्योंकि हम पर देश की संसद और सरकार चुनने का गुरुतर दायित्व है। इस दायित्व की लगातार अनदेखी की जा रही है। आम चुनाव, 2024 के दूसरे चरण में भी मतदान अपेक्षाकृत घटा है। अर्थात चुनाव के प्रति हम उदासीन या लापरवाह दिखाई दे रहे हैं। पहले दोनों चरणों में 190 लोकसभा सीटों पर मतदान हो चुका है। यानी करीब 35 फीसदी चुनाव सम्पन्न हो चुका है, लेकिन दूसरे चरण की 88 लोकसभा सीटों पर करीब 16 करोड़ पात्र मतदाता थे। उनमें से करीब 4.5 करोड़ मतदाताओं ने वोट नहीं डाले। आखिर क्यों? क्या इसे चुनाव-बहिष्कार माना जाए? दूसरे चरण में मतदान शनिवार शाम 7 बजे तक 66.7 फीसदी गिना गया। यह चुनाव आयोग का लगभग अंतिम आंकड़ा है। 2019 के चुनाव की तुलना में यह 3 फीसदी कम रहा। मध्यप्रदेश में 9 फीसदी, उप्र में 6.9 फीसदी, बिहार में 5 फीसदी, बंगाल में 4 फीसदी और राजस्थान में 3.39 फीसदी मतदान कम हुआ है। दक्षिण, पूर्व और पूर्वोत्तर भारत में भी मतदान घटा है। कुछ महत्वपूर्ण सीटों में से राहुल गांधी की वायनाड पर 6 फीसदी से ज्यादा और प्रख्यात अभिनेत्री हेमामालिनी की मथुरा सीट पर करीब 11 फीसदी मतदान घटा है। टीवी धारावाहिक ह्वरामायणह्ल में प्रभु राम का किरदार निभाने वाले अरुण गोविल के मेरठ में करीब 6 फीसदी, केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर और पूर्व केंद्रीय मंत्री शशि थरूर के तिरुवनंतपुरम में करीब 10 फीसदी मतदान कम हुआ है। दरअसल 2019 के दूसरे चरण में जिन सीटों पर भाजपा जीती थी, उन पर 3 फीसदी तक मतदान कम हुआ है। जो सीटें कांग्रेस ने जीती थीं, उन पर 5-10 फीसदी मतदान घटा है। हिंदी पट्टी के प्रमुख राज्यों में मतदान औसतन 7 फीसदी तक घटा है। ये राज्य ही भाजपा के दुर्गनुमा चुनावी गढ़ हैं। क्या यह घटा हुआ मतदान भाजपा के खिलाफ एक खामोश चुनावी लहर है? सवाल यह भी है कि फिर यह लहर किस राजनीतिक दल के पक्ष में है? कांग्रेस ने तो 300 सीटों पर भी उम्मीदवार नहीं उतारे हैं और गठबंधन के तौर पर इंडिया छिन्न-भिन्न स्थिति में है। तो फिर जनादेश कैसा होगा और केंद्र सरकार का स्वरूप भी कैसा होगा? चुनाव का जो रुझान दिखाई दे रहा है, उसमें प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा के प्रति गंभीर नाराजगी का भाव महसूस नहीं होता। यदि सरकार बदलने के लिए मतदान होना था, तो लबालब भीड़ पोलिंग स्टेशनों के अंदर-बाहर दिखाई देती और मतदान भी 70 फीसदी से ज्यादा होता। कांग्रेस के पास काडर, बूथ कार्यकर्ता और मतदाता को पोलिंग स्टेशन तक पहुंचाने वाले संगठन की कमी देखी जाती रही है, लेकिन मतदाताओं का ऐसा सैलाब भी गायब है, जो 400 पार के जनादेश को सुनिश्चित कर दे। हालांकि प्रधानमंत्री के मंगलसूत्र और मुसलमान वाले अभियान के बाद ध्रुवीकरण महसूस किया गया है। जुमे की नमाज के बाद मुसलमान भी पोलिंग स्टेशनों की ओर गए हैं। क्या वह सारा मतदान भाजपा-विरोधी हुआ है? गंभीर सवाल यह है कि मतदान एक स्तर के बाद उठ क्यों नहीं रहा है? पूरे देश में गर्मी अभी इतनी भीषण नहीं है कि सुबह और शाम में मतदान न किया जा सके। क्या युवाओं और नए मतदाताओं ने मतदान कम किया? उनकी दिलचस्पी कम दिखाई दी है। ऐसे कई लाख मतदाताओं ने वोट नहीं दिए। सवाल यह भी है कि किस राजनीतिक पक्ष के मतदाता अपने घरों से बाहर नहीं निकले? चूंकि मतदान शुक्रवार हो हुए हैं, लिहाजा यह भी एक कारण हो सकता है कि लंबे सप्ताहांत के मद्देनजर लोग छुट्टी पर निकल गए हों! लोकतंत्र की अनदेखी यहां भी हुई है।

मोबाइल की दुनिया में बालक मन संवेदनहीन होता जा रहा

दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में हुए एक अध्ययन में भी साफ हो गया है कि शहरी बच्चें, गेमिंग, सोशियल मीडिया और ओटीटी प्लेटफार्म के आदी होते जा रहे हैं। इसका परिणाम यह होता जा रहा है कि बालक मन संवेदनहीन होता जा रहा है। सोशल मीडिया पर आये दिन इस तरह की तस्वीर देखने को मिल जाएगी जिसमें ड्राइंग रुम में तो परिवार के लगभग सभी सदस्य बैठे हैं पर उनके बीच किसी तरह के संवाद की बात करना ही बेमानी होगा। सभी अपने-अपने स्थान पर अपने मोबाइल फोन में खोये मिलेंगे। खोये होने का मतलब साफ है कि कोई गेमिंग कर रहा होगा तो कोई इंस्टाग्राम, फेसबुक, वाट्सएप या इसी तरह के किसी दूसरे एप पर व्यस्त होगा। सवाल साफ है कि जो हम देखेंगे उसमें हमें पसंद भी वोही आएगा जो अधिक ग्लेमरस होगा और यही कारण है कि गेमिंग, चेटिंग या फिर रील्स बनाने देखने में बच्चों से बड़े तक व्यस्त मिलेंगे।

इसके साथ ही गेमिंग जहां बच्चों बड़ों को लालच दिखाकर एक तरह से जुआरी बना रही हैं वहीं कुछ गेम तो इस कदर हानिकारक रहे हैं कि उन्हें फॉलों करते करते बच्चों को अपने जीवन से हाथ धोना पड़ा है। सोशल मीडिया, ओटीटी व गेमिंग के साथ ही गूगल बाबा सहित खोजी चैनलों, डिजिटल प्लेटफार्म खोजी सामग्री तो कोई समाचार देखते-देखते ही कितने तरह के विज्ञापन सामने आ जाते हैं उनमें कई बार तो लगभग प्रोन जैसी सामग्री होने के बावजूद मजे से परोसी जाती रहती है और उसे बेन करने या सेंसर करने का कोई सिस्टम नहीं होने से उसका दुष्प्रभाव साफ देखा जाता है। भले ही सरकार द्वारा इस तरह के चैनलों, प्लेटफार्म, एप आदि पर रोक लगाने के लाख दावें किये जाते हो पर साफतौर से इस तरह की सामग्री आम है। इसके साथ ही इन प्लेटफार्मों पर परोसी जाने वाली सामग्री बच्चों तक नहीं पहुंचे या बालमन पर को प्रदूषित नही करें, इसकी कोई व्यवस्था नहीं होती है। जब इन प्लेटफार्मों पर हिंसा, यौन सामग्री, गेमिंग, संवेदनहीनता, तनाव, आत्महत्या या बदले की भावना प्रेरित करने वाली सामग्री परोसी जाएगी तो उसका प्रभाव से नकारा नहीं जा सकता। दरअसल यह विश्वव्यापी समस्या हो गई है और इसका समाधान समय रहते नहीं खोजा गया तो इसके जो दुष्परिणाम आएंगे व आने लगे हैं वे समाज के लिए भयावह होंगे, इस खतरे को समझना होगा।

तस्वीर का एक पक्ष यह भी है कि एक दूसरे से तत्काल संवाद कायम करने का माध्यम स्मार्टफोन, सोशल मीडिया और इंटरनेट पर परोसी जाने वाली सामग्री का सर्वाधिक दुष्प्रभाव बालक मन पर पड़ रहा है। तकनीक का इस तरह का दुष्प्रभाव संभवतः इतिहास में भी पहले कभी नहीं रहा है। दरअसल आज हम हर समस्या का समाधान स्मार्टफोन और इंटरनेट को मानने लगे हैं। बच्चा रो रहा है या किसी बात के लिए जिद कर रहा है या चिड़चिड़ा हो रहा है तो माताएं या परिवार के कोई भी सदस्य बच्चें को चुप कराने या मनबहलाव और खास यह कि बच्चे को व्यस्त रखने के लिए मोबाइल संभला देते हैं। जबकि मोबाइल के दुष्प्रभाव हमारे सामने आने लगे हैं। अमेरिका में पिछले दिनों हुए एक सर्वे में सामने आया कि मोबाइल फोन, टेबलेट, वीडियो गेम या अन्य इस तरह के साधन के उपयोग से बच्चे गुस्सेल होते जा रहे हैं। बच्चों द्वारा स्कूल में गोलीबारी सहित एक दूसरे से मारामारी-हाथापाई व इस तरह की घटनाएं आम होती जा रही है। मारधाड़, हमेशा गुस्से में रहने, तनाव में रहने और जिद्दी होना आज आम होता जा रहा है।

दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में हुए एक अध्ययन में भी साफ हो गया है कि शहरी बच्चें, गेमिंग, सोशल मीडिया और ओटीटी प्लेटफार्म के आदी होते जा रहे हैं। इसका परिणाम यह होता जा रहा है कि बालक मन संवेदनहीन होता जा रहा है। हमेशा तनाव, डिप्रेशन, आक्रामकता, गुस्सेल, बदले की भावना आदि आम है। ऐसे में मनोविज्ञानियों के सामने नई चुनौती आ जाती है। यह असर कमोबेस लड़कों और लडकियों दोनों में ही समान रुप से देखा जा रहा है। यह कोई हमारे देश की समस्या हो, ऐसा भी नहीं हैं अपितु दुनिया के लगभग सभी देशों में यही हो रहा है। अमेरिका में किये गये एक अध्ययन में भी यही उभर कर आया है।

कोई दो राय नहीं कि विकास समाज की आवश्यकता है। स्माटफोन व इंटरनेट की दुनिया का अपना महत्व है। पर इनके दुष्प्रभाव भी सामने आने लगे हैं। प्लेटफार्मों पर चाइल्ड लोक की बात भी की जाती है पर चाइल्ड लोक कितना कारगर है यह हम सब अच्छी तरह से जान और समझ सकते हैं। मजे की बात तो यह है कि मोबाइल फोन, टेब, कम्प्यूटर, सोशल मीडिया प्लेटफार्म आदि के फीचर्स व उपयोग का तरीका बड़ों से ज्यादा बच्चों को आता है। यहां तक कि प्ले ग्रुप के बच्चें को भी यह जानकारियां होने लगी है। ऐसे में इन पर परोसी जाने वाली सामग्री को सेंसर करने या इससे बच्चों और बालपन को दूर रखने की बात बेमानी होती जा रही है। समाज विज्ञानियों, मनोविश्लेषकों, चिकित्सकों यहां तक शिक्षाविदों के सामने यह गंभीर चिंतनीय चुनौती सामने आ रही है।

आज बच्चे के सामने दो विकल्प एक मोबाइल फोन या सोशल मीडिया पर सफरिंग और दूसरा परिवार के साथ गप्पे लड़ाना या आउटडोर गेम्स जैसा विकल्प होगा तो बच्चे की पहली पसंद मोबाइल फोन व सोशल मीडिया पर सफरिंग ही होती जा रही है। यह कोई अतिशयोक्ति नहीं है और दूसरा यह कि गरीब हो या अमीर सभी घर परिवारों के हालात लगभग यही है। दरअसल आज समय के बदलाव को इस तरह से समझा जा सकता है कि तीन से चार दशक पहले मोहल्ले में एक फोन होता था, ट्रंक काल में तो घंटों प्रतीक्षा करनी पड़ती थी वहीं फिर एसटीडी का युग आया और एसटीड़ी बूथों का अंबार लग गया उसके बाद पेजर युग को अलग कर भी दिया जाये तो मोबाइल युग ने घर-घर ही नहीं अपितु परिवार के लगभग सभी सदस्यों तक पहुंच बना ली है।

ऐसे में इसके लाभ के साथ ही साइड इफेक्ट जो हमारे सामने आ रहे हैं उनका समाधान खोजना भी सबका दायित्व हो जाता है। बच्चें को चुप कराने से लेकर उसे व्यस्त रखने तक के लिए मोबाइल की घुट्टी पिलाई जाने लगी है और लोरी की जगह मोबाइल ने ले ली है तो फिर हमें बालमन पर इसके पड़ रहे दुष्प्रभाव से दो चार होने के लिए तैयार रहना होगा। देखा जाए तो पूरा सामाजिक ताना बाना ही बदल गया है। एकल परिवार, आने वाले समय में चाचा-चाची, मौसा मौसी या इसी तरह के रिश्तों की तलाश आदि सामने आने लगी है। शादी विवाह आदि पारिवारिक फंक्शन तक अब औपचारिक होते जा रहे हैं।

बारात के समय पहुंचना, खाना खाना, लिफाफा थमाना तक रिश्ते सीमित हो गए हैं। ऐसे में समाज के सामने गंभीर समस्याएं आती जा रही है। ऐसे में मोबाइल या सोशल मीडिया प्लेटफार्म आने वाली पीढ़ी को कहां ले जाएंगे यह भयावह तस्वीर कल्पना में नहीं अपितु हमारे सामने आती जा रही है। समय रहते विकास और विनाश के बीच कोई रास्ता तलाशना ही होगा।

राशिफल

मेष: पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। उच्च शिक्षा के लिए विदेश जा सकते हैं।

वृष: आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। किसी सम्पत्ति से आय के साधन बन सकते हैं। सेहत का ध्यान रखें।

मिथुन: पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। नौकरी में तरक्की के अवसर मिलेंगे। अफसरों का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कर्क: किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं। शैक्षिक कार्यों में सुधार होगा। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा, स्थान परिवर्तन की सम्भावना भी बन रही है।

सिंह: वाणी में सौम्यता रहेगी, परन्तु मन परेशान हो सकता है। क्रोध से बचें। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। कारोबार में वृद्धि होगी।

कन्या: मन प्रसन्न रहेगा। आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। नौकरी में कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है।

तुला: मन प्रसन्न रहेगा। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। माता का साथ मिलेगा। कारोबार में धन की प्राप्ति होगी।

वृश्चिक: आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। परिवार में सुख-शान्ति रहेगी। घर-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। उपहार में वस्त्रों की प्राप्ति हो सकती है।

धनु: मन प्रसन्न रहेगा। आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे। धार्मिक संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। किसी पुराने मित्र से पुनः सम्पर्क हो सकते हैं।

मकर: आत्मसंयत रहें। क्रोध से बचें। बातचीत में सन्तुलित रहें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार में कठिनाइयां आ सकती हैं। खर्च बढ़ सकते हैं।

कुंभ: आत्मविश्वास में कमी आएगी। संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। किसी राजनेता से भेंट हो सकती है। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे।

मीन: मन शान्त रहेगा। सम्पत्ति में वृद्धि हो सकती है। कुटुम्ब-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। मीठे खानपान में रुचि रहेगी। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

चुटकुले

पापा - बेटा, अमेरिका में 15 साल के बच्चे भी अपने पैरों पर खड़े हो जाते हैं।
चिंटू - लेकिन पापा, भारत में तो एक साल का बच्चा भागने भी लगता है।

पत्नी ने पति को एक जोर का तमाचा मारा
पति तिलमिला उठा और पूछा - मैंने क्या गलती की?
पत्नी - तुम कोई गलती करो, उसके लिए मैं इंतजार थोड़े ही करती रहूंगी।

पत्नी - ये रैगिंग किसे कहते हैं?
पति - ये जो तुम हर मैरिज एनिवर्सरी, करवाचौथ और जन्मदिन पर जबरदस्ती गिफ्ट मांगती हो ना, उसे ही अंग्रेजी में रैगिंग कहते हैं।

पुलिस- तुमने एक ही दिन में दो बार चोरी क्यों की?
चोर- चोरी तो एक ही दिन की, दूसरे दिन तो सूट के कपड़े का कलर बदलने गया था।

रोचक तथ्यों का करंट

- पक्षियों के कान उनके पंखों के नीचे छिपे होते है।
- विश्व के आठ प्रतिशत लोगों में एक पसली अधिक होती है।
- आपकी लम्बाई साधारण तौर पर आपके पिता पर जाती है, जबकि दिमागी क्षमता, भावनात्मक मजबूती और शरीर की बनावट माँ पर।
- चीन में भारतीय रुपए के मुताबिक 100 रुपए प्रति घंटा किसी को देंगे तो आपके जगह पर वह काम करेगा।
- मोतियाबिंन और प्लास्टिक सर्जरी की खोज भी भारत देश में हुई थी।
- कोको कोला का रंग हरा होता है अगर इसमें फूड कलर नहीं मिलाया होता।
- काली मैना प्रतिदिन 30 ग्राम कीड़े खा जाती है, अत यह फसलों की रक्षक कहलाती है।
- इंसान के शरीर की सबसे छोटी हड्डी की होती है।
- चमगादड़ गुफा से निकलते समय हमेशा बाएं हाथ मुड़ते है।
- सुअरों के लिए आसमान देखना असंभव है।
- भारत डाक सेवा दुनिया का सबसे बड़ा डाक सेवा है।
- उल्लू अपना शिकार नोंचकर नहीं खाता बल्कि पूरा का पूरा निगल जाता है.

जमीनी स्तर पर करना पड़ता है काम' जीडीपी बढ़ाने के लिए चीजों पर जोर देने की जरूरत थी

पूर्व वित्त मंत्री के बयानों पर की चर्चा

नई दिल्ली। वित्त मंत्री ने कहा कि हम बाजार खोलने को लेकर बहुत उत्साहित थे लेकिन आगे चलकर हमें एहसास हुआ कि वाकई में इससे वह मदद नहीं मिली जो मिलनी चाहिए। वर्ष 2014 तक ऐसी ही स्थिति बनी रही। वित्त मंत्री ने कहा ऐसा नहीं है कि 2014 से पहले दुनिया पर देश को आगे ले जाने के लिए जिन चीजों पर जोर देने की जरूरत थी, वह नहीं हो पाया। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वर्ष 1991 में लिए गए आर्थिक उदारीकरण के फैसले पर टिप्पाणी की है। वित्त मंत्री ने कहा कि देश का बाजार खुलने के बाद बहुत सारी चीजें जो तेजी गति से होनी चाहिए थीं, नहीं हुई। वित्तमंत्री ने आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में जीआईटीएएम (डीम्ड विश्वविद्यालय) में अयोजित विकसित भारत एम्बेस्डर में ये बातें कही। वित्त मंत्री ने कहा कि हम बाजार खोलने को लेकर बहुत उत्साहित थे लेकिन आगे चलकर हमें एहसास हुआ कि वाकई में इससे वह मदद नहीं मिली जो मिलनी चाहिए। वर्ष 2014 तक ऐसी ही स्थिति बनी रही। वित्त मंत्री ने कहा ऐसा नहीं है कि 2014 से पहले दुनिया पर देश को आगे ले जाने के लिए जिन चीजों पर जोर देने की जरूरत थी, वह नहीं हो पाया। वित्त मंत्री ने जीडीपी के मुद्दे पर पूर्व वित्त मंत्री के बयानों पर चर्चा करते हुए कहा कि जीडीपी अपने आप नहीं बढ़ती। आपको माइक्रो और मैक्रो लेवल पर बहुत सारी मेहनत करनी पड़ती है। जमीनी स्तर पर काम करना पड़ता है।

गूगल में खत्म नहीं हो रहा कर्मचारियों की छंटनी का सिलसिला

नई दिल्ली। गूगल ने पिछले कुछ हफ्तों में बड़ी संख्या में कर्मचारियों की छंटनी की है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार सुंदर पिचाई की अगुवाई वाली कंपनी ने अब 'सस्ते' श्रम को प्राथमिकता देते हुए अपनी पूरी पायथन टीम को निकाल दिया है। गूगल ने पिछले कुछ हफ्तों में बड़ी संख्या में कर्मचारियों की छंटनी की है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार सुंदर पिचाई की अगुवाई वाली कंपनी ने अब 'सस्ते' श्रम को प्राथमिकता देते हुए अपनी पूरी पायथन टीम को निकाल दिया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, गूगल ने कंपनी की श्रम लागत कम करने के लिए अमेरिका के बाहर के कर्मचारियों को बहाल करने का फैसला किया है।

प्रिय पाठकों,
आप भी हमें भेज सकते हैं अपनी लिखी हुई कविता, चुटकुले, विचार, आर्टिकल या शहर से जुड़ी हुई कोई भी समस्या। हम उसे प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे।

करंट क्राइम
K-4, A-Block, Govindpuram Commercial Area, Near LG Showroom, Ghaziabad, MoÜ 09899655497
Email: currentcrimenews@gmailÜcom
Website: wwwÜcurrentcrimeÜcom

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक मनोज कुमार ने ए ।जी ।एस। पब्लिकेशन, एफ-23, सैक्टर-6, नोएडा-201301 (गौतमबुद्धनगर) उत्तर प्रदेश से छपवाकर कार्यालय 'करंट क्राइम' बी-2बी/295, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 से प्रकाशित किया। R.N.I NO. DELHIN/2015/65364

सम्पादक : मनोज कुमार
समाचार संपादक दीपक भाटी

संरक्षक : राकेश यादव, विवेक भाटी

दिल्ली के सामने कोलकाता के गेंदबाजों की अग्नि परीक्षा, रनों की होगी बोछार!

कोलकाता। दिल्ली कैपिटल्स की टीम सोमवार को कोलकाता नाइटराइडर्स के खिलाफ होने वाले आईपीएल मुकाबले में मेजबान टीम की गेंदबाजी की कमजोरियों को भुनाना चाहेगी। दिल्ली पिछले पांच मैचों में चार जीत हासिल कर चुकी है। ऋषभ पंत के नेतृत्व में टीम धीरे धीरे लय में आ रही है। दूसरी ओर मेंटर गौतम गंभीर की कोलकाता टीम को पिछले पांच मैचों में से तीन में हार का सामना करना पड़ा है। ईडन गार्डेन्स का मैदान रनों से भरा है।

फिर बनेगा बड़ा स्कोर?

पंजाब और केकेआर के बीच हुए मैच में कुल 42 छक्के लगे थे। केकेआर ने पिछले मैच में मिचेल स्टार्क की जगह दुश्मंथा चमीरा को लिया, लेकिन वह भी प्रभाव नहीं छोड़ सके। स्पिनर सुनील नरेन को छोड़कर बाकी गेंदबाजों ने टीम को निराश किया। दिल्ली के सामने मेजबान टीम के गेंदबाजों की परीक्षा होगी। केकेआर के लिए यह अच्छा है कि नरेन बल्लेबाजी में भी उपयोगी साबित हो रहे हैं और फिल सॉल्ट के रूप में एक और बल्लेबाज फॉर्म में है। आंद्रे रसेल, कप्तान श्रेयस अय्यर और रिंकू सिंह को भी बल्लेबाजी में हाथ दिखाने होंगे।

मैकगर्क हैं प्रचंड फॉर्म में

दिल्ली के लिए युवा बल्लेबाज फ्रेसर मैकगर्क जैकपॉट हो गए हैं। उन्हें लुंगी एनगिडी के लीग से हटने के बाद टीम में लिया गया था, लेकिन उन्होंने अपनी आक्रामक पारियों से धूम मचा रखी है। 22 साल के इस बल्लेबाज ने पांच मैचों में 237.50 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं। उन्होंने पिछले मैच में मुंबई के खिलाफ 27 गेंदों पर 84 रन बनाए थे। तेज गेंदबाजों की उन्होंने जमकर धुनाई की और यहां तक कि जसप्रीत बुमराह जैसे गेंदबाज को भी नहीं बख्शा। इसके अलावा कप्तान ऋषभ पंत और दक्षिण अफ्रीका के ट्रिस्टन स्टब्स भी दिल्ली की बल्लेबाजी को मजबूती प्रदान करते हैं। गेंदबाजी में स्पिनर कुलदीप यादव और अक्षर पटेल हैं। कुलदीप तो पहले केकेआर में ही थे। उन्हें पुरानी टीम के खिलाफ बहुत कुछ साबित करना होगा।

एशियाई अंडर-22 युवा मुक्केबाजी चैंपियनशिप में अपना शानदार प्रदर्शन किया जारी

नई दिल्ली। भारतीय युवा मुक्केबाजों ने एशियाई अंडर-22 और युवा मुक्केबाजी चैंपियनशिप में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए देश के लिए तीन पदक पक्के कर लिए हैं। बृजेश तामता, सागर जाखड़ और सुमित ने इस युवा चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में जगह बनाकर पदक पक्के कर लिए हैं। बृजेश (48 किग्रा) ने उजबेकिस्तान के साबिरोव सैफिद्दीन को हराया।

दोनों मुक्केबाजों ने एक-एक दौर जीता, लेकिन तीसरे दौर में भारतीय मुक्केबाज ने 4-3 से जीत दर्ज की। सागर (60 किग्रा) और सुमित (67 किग्रा) ने क्रमशः थाईलैंड के कलासीरम टी और कोरिया के होंग सियो जिन को 5-0 से हराया। जितेश को 54 किग्रा भार वर्ग में कजाखस्तान के टी नूरासिल ने 5-0 से मात दी।

आठ पदक पक्के कर चुका है भारत भारत के युवा वर्ग में आठ पदक पक्के हो चुके हैं क्योंकि पांच महिला पहलवान अन्नु (48 किग्रा), पार्थवी ग्रेवाल (66 किग्रा), निकिता चंद (60 किग्रा), खुशी पूनिया (81 किग्रा) और निर्झरा बाना (81 प्लस किग्रा) सेमीफाइनल से अपने अभियान की शुरूआत करेंगी। पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुकीं एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता प्रीति (54 किग्रा) मंगलवार को उजबेकिस्तान की उत्तामोवा से खेलेंगी। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ ने इस टूनार्मेंट में 50 सदस्यीय टीम भेजी है।

हार्दिक पांड्या को लग सकता है झटका छिन सकती है कप्तानी

नई दिल्ली। अब से कुछ महीने पहले तक इस बारे में बात की जा रही थी कि ऋषभ पंत आईपीएल 2024 का हिस्सा बन पाएंगे या नहीं, लेकिन टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम घोषित होने से कुछ ही दिन पहले पंत भारतीय टीम के उपकप्तान बनने की दौड़ में शामिल हो गए हैं। टी20 विश्व कप का आयोजन एक जून से अमेरिका और वेस्टइंडीज में होना है और इसके लिए एक मई को टीम घोषित हो सकती है।

पंत को दोबारा सौंपी जा सकती है उपकप्तानी

राष्ट्रीय चयनकर्ता अगले 48 घंटे में भारतीय टीम की घोषणा कर सकते हैं और मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, पंत को दोबारा भारतीय टीम का उपकप्तान बनाया जा सकता है। पंत दिसंबर 2022 में कार दुर्घटना में घायल होने से पहले भारतीय टीम के उपकप्तान रह चुके हैं। पंत ने जून 2022 में दक्षिण अफ्रीका में भारतीय टीम की कमान भी संभाली है। माना जा रहा है कि पंत टी20 विश्व कप के लिए विकेटकीपर के रूप में पहली पसंद हैं।

इन खिलाड़ियों को मिल सकता है मौका

टी20 विश्व कप के लिए चयन को लेकर काफी चर्चा चल रही है। मीडिया रिपोर्ट की मानें तो कप्तान रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली और सूर्यकुमार यादव शीर्ष क्रम में होंगे, जबकि मध्यक्रम में ऋषभ पंत, हार्दिक पांड्या और रवींद्र जडेजा को जगह मिलेगी। शिवम दुबे और रिंकू सिंह में से दोनों या किसी एक खिलाड़ी को जगह मिल सकती है। वहीं, संजू सैमसन और केएल राहुल में से किसी एक को मौका मिल सकता है। विशेषज्ञ स्पिनर के तौर पर कुलदीप यादव शामिल होंगे और रवि बिश्नोई की तुलना में अक्षर पटेल को बढ़त मिल सकती है। आईपीएल में सर्वाधिक विकेट लेने वाले युजवेंद्र चहल के लिए विश्व कप के दरवाजे लगभग बंद माने जा रहे हैं। तेज गेंदबाजी विभाग में जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज और अर्शदीप सिंह की जगह सुनिश्चित है।

मुंबई के कप्तान के तौर पर विफल रहे हैं हार्दिक

पंत को उपकप्तान बनना इतना आसान फैसला नहीं होगा क्योंकि हार्दिक पांड्या भी इस दौड़ में शामिल हैं। हार्दिक का आईपीएल 2024 में मुंबई इंडियंस के कप्तान के तौर पर विफल रहना उनके लिए खतरे की घंटी है और पंत का इसी का फायदा मिलता दिख रहा है।

कप्तान के तौर पर पांड्या के कुछ फैसलों पर सवाल खड़े किए गए हैं, जबकि फैंस ने भी उनकी जमकर हूटिंग की है जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। हार्दिक पिछले साल भारत में खेले गए वनडे विश्व कप में उपकप्तान की भूमिका में थे और तेज गेंदबाजी करना हमेशा ही उनके लिए फायदेमंद रहा है और हार्दिक का विश्व कप टीम में शामिल होना तय माना जा रहा है।

पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने अनुभवी स्पिनर रविचंद्रन अश्विन पर निशाना साधा

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने अनुभवी स्पिनर रविचंद्रन अश्विन पर निशाना साधा है जो इस साल आईपीएल में फॉर्म में नहीं चल रहे हैं। अश्विन इस सीजन विकेट लेने के लिए संघर्ष कर रहे हैं और उन्होंने आठ मैचों में दो विकेट झटके हैं तथा नौ रन प्रति ओवर से रन लुटाए हैं। फॉर्म में नहीं होने के बावजूद अश्विन ने कहा था कि टी20 में विकेट हासिल करना अप्रासंगिक है। अश्विन को जवाब देते हुए सहवाग ने कहा कि शायद अश्विन को अगले सीजन के लिए होने वाली आईपीएल नीलामी में कोई खरीददार नहीं मिलेगा। सहवाग ने टी20 क्रिकेट में अश्विन की गेंदबाजी रैवेये की आलोचना की। सहवाग अश्विन की उस बात से असहमत हैं कि गेंदबाज का ध्यान रनों की गति रोकने पर रहता है, विके ट लेने पर नहीं। सहवाग ने कहा, यह केएल राहुल के उस बयान की तरह ही है जिसमें उन्होंने कहा था कि स्ट्राइक रेट से फर्क नहीं पड़ता। उन्होंने ये बात बल्लेबाजी के लिए कही थी। अश्विन ने गेंदबाजी के लिए कहा है कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता अगर आप विकेट नहीं ले रहे हो। उनके आंकड़े अच्छे नहीं हैं और हो सकता है कि उन्हें अगले सीजन के लिए होने वाली नीलामी में ना खरीदा जाए। जब आप कोई गेंदबाज लेते हो तो यह देखते हो कि वह 20-25 रन रोके या आप उससे विकेट निकालने की उम्मीद करते हो।

सहवाग ने अश्विन की माइंडसेट को लेकर उनकी आलोचना की और कहा कि उनके टीम के साथी युजवेंद्र चहल और कुलदीप यादव नियमित अंतराल पर विकेट ले रहे हैं। सहवाग ने कहा, उनके सभी प्रतिस्पर्धी चहल, कुलदीप या कोई अन्य खिलाड़ी विकेट ले रहे हैं। उन्हें लगता है कि अगर वह ऑफ स्पिन करेंगे तो कोई भी उन्हें हिट करेगा इसलिए अश्विन कैरम बॉल भी डालते हैं और इस कारण उन्हें विकेट नहीं मिल रहे हैं। अगर वह अपनी ऑफ स्पिन या दूसरा पर भरोसा रखें तो शायद उन्हें विकेट मिल सकता है, लेकिन यह उनका माइंडसेट है। अगर मैं फ्रेंचाइजी का कोच या मेंटर होता तो इस तरह से नहीं सोचता। अगर मेरा गेंदबाज विकेट लेने के बजाए रन बचाने की सोचता तो मैं उसे टीम में नहीं लेता।

पाकिस्तान के कोच गैरी कस्टर्न ने रखा लक्ष्य, अपने कार्यकाल में हासिल करना चाहते हैं ये उपलब्धि

नई दिल्ली। पाकिस्तान ने टी20 विश्व कप से पहले दक्षिण अफ्रीका के पूर्व खिलाड़ी गैरी कस्टर्न को सीमित ओवर की टीम का मुख्य कोच बनाया था। पाकिस्तान टीम के नवनियुक्त कोच कस्टर्न का कहना है कि उन्होंने टीम के लिए दो लक्ष्य रखे हैं। कस्टर्न के अनुसार, पाकिस्तान टीम को अगले तीन साल में कम से कम एक आईसीसी ट्रॉफी अपने नाम करनी चाहिए।

अगले तीन साल में दो टी20 विश्व कप और एक चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन होना है। इस साल जून में अमेरिका और वेस्टइंडीज में होने वाले टी20 विश्व कप के अलावा 2026 में भारत में इस वैश्विक टूनार्मेंट का आयोजन किया जाएगा, जबकि पाकिस्तान में चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन होना है जिसके लिए सोमवार को आयोजन स्थल की घोषणा भी कर दी गई है। भारत की विश्व कप विजेता टीम के मुख्य कोच रह चुके कस्टर्न का मानना है कि बाबर आजम और उनकी टीम इन तीन में से कम से कम एक टूनार्मेंट की विजेता बनकर उभरे।

'टीम को एकत्रित रखना लक्ष्य'

फिलहाल आईपीएल की टीम गुजरात टाइंटस के मेंटर के रूप में काम कर रहे कस्टर्न ने कहा, अगर आप उन तीन आईसीसी टूनार्मेंट में से किसी एक को जीत सकते हो तो यह एक शानदार उपलब्धि होगी, चाहे वो जून में होने वाला टी20 विश्व कप ही क्यों ना हो। या टीम दो साल बाद भी ऐसा कर सकती है। मेरा काम यह सुनिश्चित करना है कि टीम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करे। यदि टीम बेहतर प्रदर्शन करती है तो हमारे पास हमेशा ट्रॉफी जीतने का मौका होगा। इसलिए मेरे लिए यह समझना महत्वपूर्ण होगा कि टीम अभी कहां है और टीम को शीर्ष स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए कहां जाने की जरूरत है। मेरा लक्ष्य पाकिस्तान की सीमित ओवर टीम को एकत्रित रखना भी है।

कस्टर्न के टीम में होने से पाकिस्तान को मिलेगी मजबूती

पाकिस्तान की टीम टी20 विश्व कप के लिए तैयारियां कर रही है। कस्टर्न के नेतृत्व से टीम को मजबूती मिलेगी और टीम वैश्विक स्तर पर सफलता हासिल कर सकती है। कस्टर्न के पास विश्व कप जीतने का अनुभव भी है जो पाकिस्तान के काम आ सकता है। भारत ने कस्टर्न के कोच रहते ही 2011 में वनडे विश्व कप की ट्रॉफी जीती थी। कस्टर्न के पाकिस्तान के इंग्लैंड दौरे से पहले 22 मई से अपनी नई जिम्मेदारी संभालने की उम्मीद है।

टी20 विश्व कप को लेकर रोहित, अगरकर और द्रविड़ के बीच हुई बैठक

नई दिल्ली। आईसीसी टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम के चयन को लेकर कप्तान रोहित शर्मा, मुख्य चयनकर्ता अजित अगरकर और मुख्य कोच राहुल द्रविड़ के बीच दो घंटे तक बैठक चली। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, इन तीनों के बीच रविवार को यह बैठक नई दिल्ली में आयोजित हुई। इस वैश्विक टूनार्मेंट के लिए टीम घोषित करने की अंतिम तिथि एक मई है और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) अगले 48 घंटों में भारतीय टीम की घोषणा कर सकता है। इस बैठक में चार बड़े फैसले लिए गए हैं, आइए जानते हैं इस वैश्विक टूनार्मेंट को लेकर मीटिंग में कौन-कौन से बड़े फैसले लिए गए हैं। टी20 विश्व कप के लिए टीम चयन को दिया गया अंतिम रूप मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, रोहित, अगरकर और द्रविड़ के बीच टी20 विश्व कप के लिए नामों को अंतिम रूप देने को लेकर यह मीटिंग हुई। बैठक के लिए द्रविड़ नई दिल्ली आए और उन्होंने अगरकर तथा रोहित से मुलाकात की। यह पहली बार नहीं था जब इन तीनों की बैठक हुई है। इससे पहले, 26 अप्रैल की शाम को भी इनकी मीटिंग हुई थी और उसमें सिर्फ जनरल रणनीति पर चर्चा हुई। माना जा रहा है कि रविवार को हुई बैठक में चीजों को अंतिम रूप दे दिया गया है। बीसीसीआई ने हालांकि मीटिंग को लेकर आधिकारिक रूप से कोई जानकारी नहीं दी है, लेकिन रेव स्पोर्ट्स के अनुसार मीटिंग के दौरान कुछ अनाधिकारिक चचाएं भी हुई है। मीटिंग के बाद रोहित मुंबई इंडियंस टीम के साथ जुड़ गए जिसका मुकाबला अब लखनऊ सुपरजाएंट्स से होना है। एक मई को होगी घोषणा अगर सबकुछ प्लान के अनुसार रहा तो बीसीसीआई टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम की घोषणा एक मई को करेगा। न्यूजीलैंड ने सोमवार को अपनी 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। हालांकि, माना जा रहा है कि बीसीसीआई सचिव जय शाह की अनुपस्थिति के चलते टीम घोषित होने में देरी हो रही है। जय शाह फिलहाल लोकसभा चुनाव में व्यस्त चल रहे हैं और उनके उपलब्ध होने पर टीम घोषित कर दी जाएगी।

दो बैच में रवाना होगी भारतीय टीम

टी20 विश्व कप का आयोजन एक जून से होना है और भारतीय टीम का पहला मुकाबला आयरलैंड से पांच जून को है। भारतीय टीम इस टूनार्मेंट में भाग लेने के लिए दो बैच में जाएगी। भारतीय टीम का पहला बैच 21 मई को रवाना होगा। आईपीएल 2024 का फाइनल मुकाबला 26 मई को खेला जाएगा और 21 मई से पहले प्लेऑफ की टीमों का चयन लगभग पक्का हो जाएगा। ऐसे में जिन खिलाड़ियों की टीमें आईपीएल के प्लेऑफ में जगह नहीं बना पाएंगी वो पहले बैच में रवाना होंगे, जबकि अन्य खिलाड़ी आईपीएल फाइनल के अगले दिन 27 मई को रवाना होंगे।

आईपीएल नहीं, वेस्टइंडीज की परिस्थितियां चयन का आधार

मीटिंग में जिन नामों को लेकर चर्चा हुई उनका ओवरऑल प्रदर्शन देखा गया, जबकि आईपीएल के प्रदर्शन के आधार पर चर्चा नहीं की गई। वेस्टइंडीज में धीमी पिच को देखते हुए माना जा रहा है कि आईपीएल के कुछ शीर्ष स्कोरर टीम में जगह बनाने से चूक सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, फॉर्म में चल रहे संजू सैमसन और आईपीएल के मौजूदा सीजन में प्रभाव नहीं छोड़ पा रहे तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को जगह नहीं मिलेगी। वहीं, विराट कोहली का छठा टी20 विश्व कप खेलना तय माना जा रहा है।

बाबर आजम ने बनाया विश्व रिकॉर्ड, टी20 में सर्वाधिक चौके लगाने वाले बल्लेबाज बने

नई दिल्ली। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली। वह इस प्रारुप में सर्वाधिक चौके लगाने वाले बल्लेबाज बन गए। हैरानी की बात यह है कि उन्होंने इस मामले में विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे दिग्गज बल्लेबाजों को पीछे छोड़ दिया है। न्यूजीलैंड के खिलाफ जारी टी20 सीरीज में बाबर आजम का बल्ला जमकर गरज रहा है।

शनिवार को कीवी टीम के खिलाफ खेले गए पांचवें टी20 मैच में पाकिस्तान के कप्तान ने दमदार प्रदर्शन किया। उन्होंने विरोधी टीम के खिलाफ 44 गेंदों में 69 रनों की शानदार पारी खेली। इसी के दम पर वह टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा चौके लगाने का रिकॉर्ड अपने नाम करने में कामयाब हुए।

बाबर के नाम दर्ज हुआ बड़ा रिकॉर्ड

29 वर्षीय बल्लेबाज ने अपनी पारी के दौरान 156.81 के स्ट्राइक रेट से छह चौके और दो छक्के लगाए। न्यूजीलैंड के बेन सीयर्स ने बाबर को क्लीन बोल्ड कर दिया। उन्होंने 107 पारियों में 409 चौके लगाए हैं। इसी के साथ बाबर ने आयरलैंड के पॉल स्टर्लिंग का रिकॉर्ड तोड़ दिया जिन्होंने 136 पारियों में 407 चौके लगाए थे। बाबर और स्टर्लिंग दो ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 400 से ज्यादा चौके लगाने का कारनामा किया है।

कोहली-रोहित पीछे छूटे

वहीं, भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने 109 पारियों में 361 चौके लगाए हैं। इसके अलावा टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा ने 143 पारियों में 359 चौके लगाए हैं। बाबर आजम ने इन दोनों दिग्गजों को पीछे छोड़ दिया है और विश्व रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। बात करें बाबर के टी20 करियर की तो उन्होंने 114 मुकाबलों में 129.41 के स्ट्राइक रेट से 3823 रन बनाए हैं। इस प्रारुप में उनके नाम तीन शतक और 34 अर्धशतक दर्ज हैं।

धोनी की वजह से फैन ने किया गर्लफ्रेंड से ब्रेकअप

चेन्नई। आईपीएल 2024 का रोमांच खिलाड़ियों और फैंस के सिर चढ़कर बोल रहा है। रविवार को चेन्नई सुपर किंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच इस सीजन का 46वां मुकबला खेला गया। इस मैच में सीएसके ने कमिंस की टीम को 78 रनों से मात देकर अपनी पिछली हार का बदला ले लिया। चेन्नई इस जीत के साथ टॉप-3 में वापसी करने में कामयाब हुई। अब सोशल मीडिया पर एक ऐसा मामला सामने आया है जिसने सभी के होश उड़ा दिए हैं। दरअसल, एक फैन ने धोनी की वजह से अपनी गर्लफ्रेंड से ब्रेकअप कर लिया।

धोनी के प्रति फैंस की दीवानगी सिर चढ़कर बोलती है। फैंस उन्हें थाला के नाम से बुलाते हैं जिसका अर्थ होता है लीडर। धोनी की एक झलक पाने को फैंस बेताब रहते हैं। ऐसा ही एक फैन रविवार की शाम चेपॉक स्टेडियम पहुंचा। उसके हाथ में एक पोस्टर था जिसमें उसने अपनी गर्लफ्रेंड से ब्रेकअप करने की बात लिख रखी थी। हैरानी की बात यह है कि उसने धोनी को इसकी वजह बताया।

सोशल मीडिया पर वायरल हुआ चौंकाने वाला पोस्टर

चेपॉक पहुंचे इस फैन के हाथ में एक पोस्टर था, जिसमें लिखा था कि अपनी गर्लफ्रेंड से ब्रेकअप कर लिया, क्योंकि उसके नाम में सात अक्षर नहीं थे। बता दें कि, धोनी की जर्सी का नंबर सात है। वहीं, उनका जन्मदिन भी सात जुलाई को आता है। ऐसे में फैन ने गर्लफ्रेंड के नाम में सात अक्षर नहीं होने की वजह से उससे ब्रेकअप कर लिया। इस फैन का यह पोस्टर अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसपर अन्य यूजर्स जमकर प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

मैच का हाल

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने अपने होम ग्राउंड एमए चिदंबरम स्टेडियम पर दमदार प्रदर्शन करते हुए सनराइजर्स हैदराबाद को 78 रनों के बड़े अंतर से हराया। चेन्नई के लिए कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने 54 गेंदों पर 98 रन की पारी खेली और डेरिल मिचेल के साथ शतकीय साझेदारी की जिसके दम पर चेन्नई ने 20 ओवर में तीन विकेट पर 212 रन बनाए। जवाब में तेज गेंदबाज तुषार देशपांडे ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए चार विकेट झटके और हैदराबाद की पारी 18.5 ओवर में 134 रन पर ही सिमट गई। हैदराबाद के लिए एडेन मार्करम 26 गेंदों पर 32 रन बनाकर सर्वोच्च स्कोरर रहे।

टी20 विश्व कप के लिए न्यूजीलैंड की टीम का एलान

न्यूजीलैंड। न्यूजीलैंड ने आगामी टी20 विश्व कप 2024 के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम का एलान कर दिया है। अनुभवी केन विलियम्सन को टीम का कप्तान बनाया गया है, जबकि अंगूठे की चोट के कारण मौजूदा आईपीएल 2024 से बाहर होने वाले डेवोन कॉन्वे की टीम में वापसी हुई है। यह बतौर खिलाड़ी विलियम्सन का छठा टी20 विश्व कप और बतौर कप्तान चौथा टी20 विश्व कप टूनार्मेंट है। न्यूजीलैंड के मुख्य कोच गैरी स्टीड ने कहा कि जून के पहले हफ्ते में शुरू होने वाले टी20 टूनार्मेंट के दौरान टीमों के बीच अलग-अलग परिस्थितियों को ध्यान में रखकर टीम का चयन किया गया है।

कोच गैरी स्टीड ने क्या कहा?

उन्होंने कहा, 'मैं चुने गए सभी खिलाड़ियों को बधाई देना चाहता हूं। ये वो खास खिलाड़ी हैं जो विश्व कप टूनार्मेंट में अपने देश का प्रतिनिधित्व करते दिखेंगे। हम उम्मीद करते हैं कि वेस्टइंडीज में परिस्थितियां काफी अलग और चुनौतीपूर्ण होंगी। हमने उन परिस्थितियों के मुताबिक अपनी टीम का चयन किया है।' कीवी टीम ने हाल ही में कई सीनियर खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी में पाकिस्तान का दौरा किया था, क्योंकि सीनियर खिलाड़ी आईपीएल में व्यस्त हैं। माइकल ब्रेसवेल की कप्तानी में कीवी टीम ने पाकिस्तान के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज 2-2 से ड्रॉ की। एक मैच बारिश की वजह से रद्द हो गया। ऐसे में दिग्गजों की वापसी से यह टीम काफी मजबूत दिख रही है। कीवी टीम मजबूत दिख रही कॉन्वे और एलेन को ओपनिंग की जिम्मेदारी दी जा सकती है।

वहीं, विलियम्सन तीसरे और रचिन चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आ सकते हैं। फिर डेरिल मिचेल और नीशम बड़े शॉट लगाने में माहिर हैं। स्पिन का जिम्मा ब्रेसवेल, सेंटनर और सोढ़ी संभालते दिखेंगे। वहीं, तेज गेंदबाजी का जिम्मा अनुभवी साउदी, हेनरी और फर्ग्यूसन के हाथों में होगा। डेरिल चौथे पेसर की भूमिका निभा सकते हैं। कीवी टीम ने तेज गेंदबाजों से ज्यादा स्पिनर चुने हैं। एक मई तक टीमों का करना है एलान टी20 विश्व कप की शुरूआत एक जून से होने जा रही है। न्यूजीलैंड टी20 विश्व कप 2024 के लिए टीम का एलान करने वाला पहला देश है। आईसीसी ने सभी टीमों के लिए संभावित 15 के एलान की अंतिम तारीख एक मई तक रखी है। अगले कुछ दिनों में कई देश अपनी-अपनी टीमों का एलान कर सकते हैं। भारतीय टीम का एलान एक मई को होने की संभावना है। कीवी टीम अपने अभियान की शुरूआत सात जून को अफगानिस्तान के खिलाफ मुकाबले से करेगी। वहीं, भारतीय टीम अपना पहला मैच पांच जून को आयरलैंड के खिलाफ खेलेगी। वहीं, भारत और पाकिस्तान के बीच महामुकाबला नौ जून को न्यूयॉर्क में खेला जाएगा। 29 जून को इस टूनार्मेंट का फाइनल खेला जाएगा।

निगम ने एबीसी केन्द्र संचालन की रिपोर्ट पेश की

डॉग फीडिंग पॉइंट को लेकर आरडब्ल्यूए, एओए, एनजीओ, तथा प्रशासनिक अधिकारियों की हुई अहम बैठक

डॉग रजिस्ट्रेशन को लेकर अधिक से अधिक शहर को जागरूक करें निगम अधिकारी: सेल्वा कुमारी जे

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित विशेष बैठक के दौरान गाजियाबाद नगर निगम संबंधित एबीसी सेंटर पर चर्चा हुई जिसमें मंडलायुक्त सेल्वा कुमारी के समक्ष निगम अधिकारियों द्वारा अपनी रिपोर्ट भी प्रस्तुत की गई, एनिमल बर्थ कंट्रोल सेंटर को लेकर संबंधित विभाग ने नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक की उपस्थिति में रिपोर्ट प्रस्तुत की जिसमें उनके द्वारा बताया गया कि गाजियाबाद नगर निगम नंदी पार्क स्थित एबीसी सेंटर मे प्रति महा लगभग 700 से अधिक स्वानो/डॉगस का ट्रीटमेंट करता है, जिसमें बध्याकरण तथा टीकाकरण की कार्यवाही को प्राथमिकता पर कराया जा रहा है, बैठक में इसी क्रम में अन्य जुड़ी समस्याओं पर भी चर्चा हुई'। डॉ अनुज उप मुख्य पशु चिकित्सा एवं कल्याण अधिकारी के द्वारा बताया गया कि नगर आयुक्त महोदय की उपस्थिति में आयोजित बैठक में एबीसी सेंटर को लेकर रिपोर्ट प्रस्तुत की गई जिसमें डॉग फीडिंग पॉइंट को लेकर भी चर्चा हुई उपस्थित आरडब्ल्यूए पदाधिकारी सामाजिक संस्थाएं पदाधिकारी, एओए के पदाधिकारी, पीएफए के पदाधिकारी व अन्य पशु प्रेमी के समक्ष निर्णय लिया गया कि सभी सोसाइटी में डॉग फीडिंग पॉइंट बनाए जाएंगे जिनका बनाने तथा चयन करने का कार्य आरडब्ल्यूए तथा एओए के द्वारा कराया जाएगा, अन्य डॉग संबंधित कई बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा हुई तथा समस्याओं के समाधान को सभी के समक्ष प्रस्तुत किया गया जिसमें आक्रामक डॉग को प्रतिबंधित करने को लेकर भी चर्चा की गई, मंडलायुक्त द्वारा एबीसी सेंटर पर व्यवस्थाओं को और अधिक बेहतर करने तथा ट्रीटमेंट के उपकरणों की संख्या बढ़ाने के साथ साथ डॉग की संख्या बढ़ाने के लिए भी निर्देश दिए' बैठक में उपस्थित अधिकारियों के समक्ष गाजियाबाद नगर निगम द्वारा यह भी अवगत कराया गया। एबीसी सेंटर नंदी पार्क में संचालित है इसी क्रम में दूसरा एबीसी केंद्र लगभग फरवरी माह 2025 तक पूर्ण हो जाएगा। जोकी केला भट्टा के समीप बनाया जा रहा है। इसके अलावा सिद्धार्थ विहार में भी तीसरा केंद्र बनाने के लिए डीपीआर शासन को भेजी जा चुकी है गाजियाबाद नगर निगम द्वारा एबीसी सेंटर संबंधित तथा डॉग संबंधित विषय पर समन्वय स्थापित कराया गया, जिस पर सभी ने सहमति जताई, बैठक में उपस्थित प्रशासनिक अधिकारियों के नेतृत्व में समस्याओं के समाधान पर विशेष चर्चा हुई।

युवा भटक रहा है - प्रवेन्द्र आर्य

पहलवानों ने दिखायें अपने जौहर

मोदीनगर करंट क्राइम। महाराजा सूरजमल अखाडे की ओर से रविवार को गांव रोरी में इनामी कुश्ती दंगल का आयोजन हुआ। खेल का शुभांरभ सेवानिवृत इंस्पेक्टर दुष्यंत चैधरी ने खिलाडियों से परिचय प्राप्त कर किया। इस बीच पुरूषो व महिला खिलाडियों ने कुश्ती में दाव पेंच लगाकर अपना दमखम दिखाया। दुष्यंत चैधरी व अन्य अतिथियों ने विजेता खिलाडियों का फूल माला पहनाकर व सम्मान प्रतीक भेंटकर सम्मानित किया। मुख्य अतिथि बतौर दुष्यंत चैधरी ने क्षेत्र मे कुश्ती खेल को पुनः स्थापित करने के लिए लोगों को सहयोग करने का आह्वान किया व स्वंय भी सहयोग करने का आश्वासन दिया। कुश्ती जीतने वाले पहलवानो को नगद राशि देकर पुरस्कृत किया गया। पुरूषों की कुश्ती में समीर पहलवान, तुषार पहलवान, बोबी पहलवान, उधम पहलवान, अनुज पहलवान, अर्जुन पहलवान, कनिष्क पहलवान, कृष्ण पहलवान, वंश पहलवान, लविश पहलवान आदि विजयी रहे। महिला वर्ग में सुभी चैधरी, लाली कुमारी, कल्लो, मल्लो आदि ने कुश्ती जीती। अखाड़े के संचालक बाबा परमेन्द्र आर्य ने कहा कुश्ती किसानो का खेल है। पहलवान को बहुत नियम संयम से रहना पडता है और छः सात वर्ष तक कठिन परिश्रम करने के बाद ही उच्चस्तर का पहलवान बन पाता है, लेकिन आज कल का युवा केवल जिम मे जाकर बोडी बनाना चाहता है। अखाड़े में कुश्ती करने से बच रहा है। हमारा मासिक दंगल कराने का उद्देश्य युवाओ को कुश्ती से जोडना है। अगला दंगल 15मई को बाबा महेन्द्र सिंह टिकैत की पुण्यतिथि पर होगा। इस दंगल मे मंच संचालन पहलवान विपिन राठी ने किया व दंगल मे रेफरी का दायित्व सुधीर मुखिया पहलवान ने निभाया। दंगल देखने के लिए काफी संख्या मे ग्रामीण पहुंचे। दंगल को सफल बनाने मे अभिषेक पहलवान खंजरपुर, दीपक पहलवान अमराला, दादा राम नारायण, राजेन्द्र राणा, मनोज कुमार, सचिन प्रथम गढ़, भुल्लेराम शर्मा, सुभाष चैयरमेन आदि का योगदान महत्वपूर्ण रहा।

नशेड़ी युवक ने ई-रिक्शा चालक के साथ की मारपीट

मोदीनगर करंट क्राइम। ई-रिक्शा चालक से एक नशेडी ने नशीला पदार्थ लाकर देने को कहा। उसके मना करते ही नशेडी युवक ने उसके साथ मारपीट कर दी ओर जान से मारने की धमकी दे डाली। कस्बा निवाडी के वार्ड संख्या दो निवासी कृष्ण उर्फ गोलू राज चैपले से लेकर निवाडी तक ई-रिक्शा चलाकर परिवार की गुजर बसर करते है। जब वह राज चैपले पर सवारी का इंतजार कर रहा था। इसी बीच निवाड़ी का ही रहने वाला नशे का आदी दीपक उर्फ दीपू आया ओर उसने ई- रिक्शा चालक कृष्ण से गांजा लाकर देने को कहा। जब उसने नशीले पदार्थ का विरोध जताया तो आरोपी दीपक आग बबूला हो गया ओर उसने ई-रिकशा चालक को सरेराह सडक पर पीटना शुरू कर दिया। भीड़ के बचाने पर पीडित चालक कृष्ण थाने पंहुचा ओर आरोपी के खिलाफ मारपीट करने व धमकी देने के तहत मामला दर्ज कराया है।

भागवत कथा में रुकमणी विवाह की लीला के सुंदर प्रसंग का हुआ अद्भुत वर्णन

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। संक्रांति मंदिर सेक्टर 13 में चल रही भागवत कथा में माता रुकमणी और श्री कृष्ण जी के विवाह का सुंदर प्रसंग व्यास रमेश भाई शुक्ल द्वारा सुनाया गया। इस अवसर पर विवाह की सुंदर झांकी बच्चों के द्वारा बनाई गई। भागवत कथा के दौरान संक्रांति मंदिर के प्रधान एडवोकेट सुनील तिवारी के द्वारा व्यास पीठ का पगड़ी पहना कर सम्मान किया गया। कथा के आयोजक श्यामा श्याम सखी संकीर्तन मंडल की कोषाध्यक्ष मनीषा बिंजोला द्वारा बताया गया की संध्याकालीन कथा के अंतिम दिवस पर हवन के उपरांत विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। भागवत कथा में बाला अनिल शर्मा, सुशीला सी पी सिंह, मदनी रावत, रमा चमोली, कमलेश राणा, गीता राणा, प्रदीप शर्मा, प्रियम शर्मा, नवनीत शर्मा, रीना अवध बिहारी शर्मा आदि भक्तगण उपस्थित रहे।

महिला को अकेला देख घर में घुस कर छेड़छाड

मोदीनगर करंट क्राइम। एक विवाहिता को अकेला देख घर में घूसकर पडोस में रहने वाले युवक ने उसके साथ छेडछाड़ कर दी, विरोध जताने पर मारपीट कर उसे घायल कर दिया। महिला के शोर मचाने पर आरोपी भाग निकला। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने मामला दर्ज कर फरार आरोपी को हिरासत में ले लिया हैं। एसीपी ज्ञानप्रकाश राय ने बताया कि जब गांव मछरी की एक विवाहिता घर में अकेली थी,, इस बीच पडोस में रहने वाला युवक उसके घर में घूस आया ओर उसने महिला से छेडछाड़ कर दी। विरोध जताने पर उसके साथ मारपीट की। महिला के शोर मचाने पर जुटे लोगो को देख आरोपी महिला को जान से मारने की धमकी देकर भाग निकला। पीड़िता ने इस बीच पुलिस को सूचना दी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बहू ने परिवार के संग मिल सास पर किया जानलेवा हमला

मोदीनगर करंट क्राइम। घेरलू विवाद के चलते पुत्रवधू ने परिवार के साथ मिलकर अपनी सांस पर जानलेवा हमला कर उसे बुरी तरह घायल कर दिया और पुलिस मे शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दे डाली। पीडिता की तहरीर पर पुलिस ने दो महिलाओं सहित तीन के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया हैं। गांव निजामपुर निवासी राकेश की पत्नि ममता का काफी दिनों से अपनी सांस से विवाद चल रहा था, विवाद के चलते ममता ने अपने मायके पक्ष को सूचना देकर बुला लिया। आरोप है कि ममता ने अपनी बहन रेनू व दो रिश्तेदारो के साथ मिलकर सास को पीटा व जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने इस मामले मे पीडिता की पुत्रवधू रेनू, भारती व काला निवासीगण ब्रहमपुरी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली। पुलिस सारे मामले की जांच कर रही है। जांच के बाद ही आगे की कार्रवाही की जायेंगी।

चन्द्रनगर में कलश यात्रा के साथ श्रीराम कथा प्रारंभ

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। चंद्रनगर स्थित संकट मोचन हनुमान मंदिर के द्वारा कलश यात्रा का आयोजन किया गया जिसमें सैकड़ो महिलाओं ने भाग लिया वही कलश यात्रा के बाद श्रीराम कथा का आयोजन प्रारंभ हुआ। कथा शुभारंभ के अवसर पर पं गौडेश्वर मुकन्द दास ने धमार्लुजनों को रामकथा के महत्व से परिचित कराया, धर्मसभा में कहा कि रामचरित्र मानस भारतीय धर्म व संस्कृति का प्रतिबिम्ब है। श्री राम कथा के प्रथम दिवस कथा शुभारंभ के मौके पर व कलश यात्रा निकली गई। कॉलोनी के मंदिर से विशेष पूजा अर्चना के बाद कलश यात्रा बैण्ड बाजे के साथ निकली। पंडित गौडेश्वर मुकन्द दास ने बताया कि रामचरित मानस केवल एक ग्रंथ नही बल्कि आयार्वृत्त की धर्म व संस्कृति को प्रकट करने वाला विशिष्ट पुराण है। उन्होंने ने कहा कि रामचरित मानस की रचना कर महर्षि तुलसीदासजी ने भारतवासियो पर अंनत उपकार किया है। यह ग्रंथ शिव व हरी विष्णु की महिमा को एकाकार करने की प्रेरणा देता है। रामचरित मानस में शिव व पार्वती की कथा एवं उसके बाद प्रभु श्रीराम की कथा दोनो ग्रंथ में समाहित है। आपने कहा कि जो भी धमार्लुजन रामचरित मानस की पौथी का पूरे मन वचन काया से पूजन करते है तथा आपने अपने घरो में इसका पाठ करते है। उन्हे प्रभु शिव व प्रभु राम दोनों की कृपा प्राप्त होती है। जीवन में जब भी रामकथा सुनने का अवसर मिले उस अवसर को नहीं चुकने दे। प्रभु राम भारत की भूमि पर निवास करने वाले करोडो लोगों की आस्था व विश्वास के प्रतीक है। इस अवसर पर विशंभर श्रीवास्तव, रीता सिंह, अनुपम श्रीवास्तव, अनिल अग्रवाल बंसल, हरिमोहन भटनागर, केएन अग्रवाल, पीएम पांडे, रजनी, गोविंद नयन बाला, दीपा श्रीवास्तव, मीनू खनेजा, पूनम शर्मा, अनिल अग्रवाल, लक्ष्मी नारायण बंसल आदि शामिल हुए।

विवाहिता ने ससुर पर लगाया छेडछाड का आरोप

मोदीनगर करंट क्राइम। एक विवाहिता ने अपने ससुर पर छेडछाड़ व अभ्रदता करने का आरोप लगाया हैं। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। मोदीनगर अन्तर्गत एक कॉलोनी निवासी विवाहिता ने पुलिस में दी तहरीर में आरोप लगाया है कि उसका पति काम के चलते घर से अधिकतर बाहर रहते है। आरोप है कि ससुर ने घर में उसे अकेला पाकर कई बार छेडछाड़ की। उनकी इस हरकत के कारण जब वह मायके आ गयी तो उन्होने यहाँ आकर भी गलत व्यवहार किया। पीड़िता विवाहिता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी ससुर के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया हैं।

युवक के घर से हजारों का सामन व नगदी चोरी

मोदीनगर करंट क्राइम। एक युवक के घर का ताला तोड़ चोर घर में रखी नगदी, तीन मोबाइल फोन व एलईडी टीवी सहित कई कीमती सामान चोरी कर ले गये। पुलिस जांच करने की बात कह रही है। धर्मपुरी मौहल्ला निवासी सचिन शर्मा एक नीजी कंपनी मे जॉब करते है। जब वह घर का ताला लगाकर किसी काम से घर से बाहर निकले तो इसी बीच उनके घर का ताला तोड चोर अलमारी में रखी 22 हजार रुपए से अधिक की नगदी, तीन मोबाइल फोन व एलईडी टीवी सहित अन्य कीमती सामान चोरी कर ले गये। घर का बिखरा सामान देखकर उन्हे चोरी का पता चला ओर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

खबरदार होशियार अब शराब पीकर गंगनहर में नहाओगे, करोगे हुड़दंग, तो पुलिस करेगी गिरफ्तार

पिछले साल नहर में डूबकर 25 से अधिक लोगों की हुई थी मौत

मुरादनगर करंट क्राइम। नगर क्षेत्र में हर वर्ष गर्मी का मौसम शुरू होते ही गंगनहर में डूबने का सिलसिला भी शुरू हो जाता है और कई बार डूबने के कारण हुई मौत का ग्राफ बढ़ जाता है, पिछले वर्ष दर्जन भर से भी अधिक मौत गंग नहर में डूबने के कारण हुई थी, अब एक माह के अंदर तीन लोग डूब चुके है और सैकड़ों को डूबने से बचाया जा चुका है। अब पुलिस प्रशासन के अधिकारियों ने गंगनहर घाट पर सख्ती बरतने का मन बना लिया है। शराब पीकर नहाने वाले व हुडदंग मचाने वालों को अब पुलिस हवालात की हवा खिलाएगी। नगर क्षेत्र में स्थित गंगनहर घाट पिकनिक स्पॉट बनता जा रहा है। गर्मी का मौसम शुरु होते ही नहर में नहाने वाले की भीड़ लगनी शुरू हो जाती है। एक अनुमान के तहत मार्च से लेकर अगस्त माह तक रोजाना बीस हजार से अधिक लोग नहर में स्नान करने के लिए आते है। अधिक भीड़ होने के कारण नहर में डूबने के हादसे भी हो सकते है। पिछले साल नहर में डूबकर 25 से अधिक लोगों की मौत हुई थी। इस साल भी अप्रैल माह भी नहर में तीन लोग डूब चुके है ,जबकि सैकड़ों को डूबने से बचाया जा चुका है। अब नहर में नहाने वाले पर पुलिस सख्ती करने की बात कह रही है। पुलिस का कहना है कि शराब पीकर नहाने वाले ,घाट पर शराब पीते हुए पकडे जाने पर व हुडदंग मचाने वालों को गिरफ्तार कर शांतिभंग की धाराओं में चालान किया जाएगा। एसीपी का कहना है कि नहर के घाट पर सादी वर्दी में पुलिसकर्मी तैनात किए जाएंगे, जो नजर बनाए रखेंगे। उन्होने कहा कि नहर में डूबने वाले अधिकांश लोग शराब के नशे वाले होते है। उनका कहना है कि किसी भी मनमानी नहीं चलने दी जाएगी। इसके अलावा रविवार शाम को नहर में डूबे युवक की तलाश के लिए गोताखोरों ने सर्च अभियान चला रखा है। वहीं गौरतलब कि मुरादनगर गंग नहर पर एनडीआरएफ की टीम की तैनाती भी लाजमी है , जिसके लिए समाचार पत्र के माध्यम से कई बार चेताया जा चुका है।

शराबियों ने मां बेटी के साथ की अभद्रता, रिपोर्ट दर्ज

मोदीनगर करंट क्राइम। बाजार से लौट रही मां बेटी के साथ शराब पी रहे युवको ने अभद्रता व छेड़छाड़ कर दी। शोर मचाने पर जब परिवार के लोगो ने आकर विरोध जताया तो उन पर धारधार हथियार से हमलाकर घायल कर दिया, पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराने पर जान से मारने की धमकी दी। गांव कलछीना निवासी राकेश की पत्नि व उसकी बेटी सांय बाजार गई थी, जब वह गांव में आकर घर के लिये लौट रही थी, तभी रास्ते मे चार युवक शराब पी रहे थे, इन युवको ने पहले मां बेटी पर आपात्तिजनक कमेंट्स किये। इतना ही नही माँ के सामने बेटी से छेडछाड़ करनी शुरू कर दी। मां बेटी द्वारा शोर मचायें जाने पर परिवार के लोग भी आ गये और उन्होंने जब विरोध किया तो आरोपियों ने धारधार हथियार से मां, बेटी व परिवार के लोगों पर गाली गलौच करते हुयें हमला बोल दिया। हमले में घायल पक्ष के लोगो ने 112 पर फोन पर पुलिस को सूचना दी। एसीपी ज्ञानप्रकाश राय ने बताया कि इस मामले में पीडित पक्ष की दी तहरीर पर पुलिस ने कुंदन, हिमांशु, कमल व रविंद्र निवासीगण कलछीना के खिलाफ गंभीर धाराओ में मामला दर्ज कर लिया हैं। आरोपी फरार है।

महिलाओं ने पार्क में ट्यूबवेल लगाने का किया विरोध

गाजियाबाद। गाजियाबाद के नंदग्राम में सोमवार को महिलाओं ने ट्यूबवेलों के रिबोर के विरोध में प्रदर्शन किया। उन्होंने हंगामा करते हुए काम बंद करा दिया। जलकल विभाग के अधिकारी और प्रवर्तन दल मौके पर पहुंचे और महिलाओं को शांत कराया। इसके बाद काम शुरू हो सका।

30 एचपी का ट्यूबवेल खराब

नंदग्राम सी-ब्लॉक पार्क के सामने निगम का 30 एचपी का ट्यूबवेल खराब है। इससे सी-ब्लॉक में पेयजल आपूर्ति प्रभावित हो रही है। लोगों को पानी नहीं मिल रहा है। इससे हमें दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोग जलकल विभाग से ट्यूबवेल की मरम्मत कराने की मांग कर रहे हैं। जलकल विभाग ने ट्यूबवेल को रीबोर करने के लिए मशीनें और मजदूर भेजे। लेकिन कुछ महिलाएं ट्यूबवेल के रिबोर का विरोध करने लगीं।

पार्क में ट्यूबवेल लगाने का किया विरोध

उन्होंने कहा कि पार्क में ट्यूबवेल नहीं लगाया जा सकता। महिलाओं को काफी समझाने की कोशिश की। इसके बावजूद वह नहीं मानी। उन्होंने हंगामा खड़ा कर दिया। सूचना मिलने पर जलकल विभाग के अवर अभियंता अजय कुमार और प्रवर्तन दल की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने सख्ती दिखाकर महिलाओं को शांत किया।

महिलाओं ने उन्हें बताया कि घरों के सामने ट्यूबवेल नहीं लगाया जा सकता। निगम टीम ने उनकी एक नहीं सुनी। इसके बाद महिलाओं को वहां से हटाया गया और ट्यूबवेल को रीबोर करने का काम शुरू किया गया।

अधिकारी जल्द ही पासपोर्ट रिन्यू नहीं करेंगे तो होगा बड़ा आंदोलन : राकेश टिकैत

बोले: दो साल से पासपोर्ट नहीं हो रहा रिन्यू

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत सोमवार को अचानक गाजियाबाद पासपोर्ट कार्यालय पहुंच गए। इस बीच भाकियू के सैकड़ों कार्यकर्ता भी वहां पहुंच गए और दरी बिछाकर धरना शुरू कर दिया। राकेश टिकैत ने कहा कि उनका पासपोर्ट दो साल से रिन्यू नहीं हो रहा है। अधिकारी उन्हें गाजियाबाद से मुजफ्फरनगर और मुजफ्फरनगर से गाजियाबाद का चक्कर कटवा रहे हैं। अगर अधिकारी जल्द ही उनका पासपोर्ट रिन्यू नहीं करते हैं तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

रिन्यू नहीं होने पर जहां होगा, वहां लगाएंगे टेंट

(करंट क्राइम)। राकेश टिकैत का कहना है कि उनके खिलाफ चुनाव संबंधी मामला दर्ज किया गया था, जिसे कोर्ट ने बंद कर दिया है, फिर भी अधिकारियों को उनका पासपोर्ट रिन्यू करने में दिक्कत आ रही है। राकेश टिकैत ने कहा कि अगर उनका पासपोर्ट जल्द रिन्यू नहीं हुआ तो वे गाजियाबाद या मुजफ्फरनगर में जहां भी जरूरत होगी, वहां टेंट लगा देंगे। इसके बाद राकेश टिकैत पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों के आश्वासन के बाद वहां से चले गए।

24 देशों की यात्रा करने के बाद भी रिन्यू नहीं

(करंट क्राइम)। भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत गाजियाबाद के हापुड चुंगी पासपोर्ट कार्यालय पहुंचे। उनके साथ उनकी यूनियन के पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी थे। राकेश टिकैत के साथ आए लोगों ने पासपोर्ट ऑफिस के बाहर दरी बिछा दी और नारेबाजी करने लगे। राकेश टिकैत का आरोप है कि वह अपने पासपोर्ट पर 24 देशों की यात्रा कर चुके हैं लेकिन पिछले 2 साल से वह अपना पासपोर्ट रिन्यू कराने के लिए दे चुके हैं लेकिन पासपोर्ट अधिकारी उनका पासपोर्ट रिन्यू नहीं कर रहे हैं। राकेश टिकैत के साथ आई भीड़ को देखते हुए पुलिस बल भी तैनात किया गया।

इस्राइल-हमास युद्ध रोकने के लिए हमास की टीम काहिरा हुई रवाना

काहिरा। लंबे अरसे से चले आ रहे इस्राइल और हमास के युद्ध को रोकने के लिए हमास की एक टीम काहिरा में इस विषय पर चर्चा करेगी। हमास इस युद्ध को रोकना चाहता है, इसलिए अब वह युद्ध विराम समझौता करने के लिए तैयार हुआ है। इस दौरान इस्राइल जेल में बंद फिलिस्तीनों को रिहा करने की भी मांग की जाएगी।

सोमवार को हमास और इस्राइल के बीच चले आ रहे युद्ध को रोकने की दिशा में प्रयास की शुरूआत हो चुकी है। हमास का प्रतिनिधि मंडल इस पर चर्चा करने के लिए काहिरा पहुंचेगा। एक अधिकारी से मिली जानकारी के अनुसार प्रतिनिधिमंडल हमास द्वारा कतर और मिस्र के मध्यस्थों को सौंपे गए युद्धविराम प्रस्ताव के साथ-साथ इजरायल की प्रतिक्रिया पर भी चर्चा करेगा। उन्होंने बताया कि एक नया प्रस्ताव भी तैयार किया गया है।

समझौते की बात से इस्राइल के कई राजनेता खफा

हमास ने इसमें इस्राइल जेल में बंद फिलिस्तीनों को रिहाई के बदले 40 बंधको की रिहाई की मांग की है। राष्ट्रपति जोए बिडेन ने रविवार को इस्राइल प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ बात की। उन्होंने कहा कि उन्होंने गाजा में तत्काल युद्धविराम के साथ-साथ इजरायल पर हमास के नेतृत्व वाले 7 अक्टूबर के हमले के बाद से बंधकों की रिहाई सुनिश्चित करने के लिए की गई बातचीत की।

बता दें कि यह युद्ध सात महीने से चल रहा है। 7 अक्टूबर को हमास आतंकवादियों द्वारा इस्राइल पर हमला करने के बाद यह युद्ध शुरू हुआ। जिसमें 1,200 लोग मारे गए थे और 253 बंधकों को इजराइली टैली द्वारा ले लिया गया था।

शुक्रवार को, खलील अल-हया ने कहा कि समूह को अपने युद्धविराम प्रस्ताव पर इस्राइल की प्रतिक्रिया मिली थी। पिछले दौर की बातचीत दोनों पक्षों की स्थिति में अंतर को कम करने में विफल रही है।

इस्राइल नहीं चाहता समझौता

समझौते की बात से इस्राइल के कई राजनेता खफा है। वित्त मंत्री बेजेलेल स्मोट्रिच ने रविवार को नेतन्याहू से राफा पर हमले से पीछे नहीं हटने का आग्रह किया और कहा कियुद्ध कैबिनेट के सदस्य बेनी गैंट्ज ने एक्स पर एक पोस्ट में कहाः ₹हमास के खिलाफ लंबे संघर्ष में राफा में प्रवेश करना महत्वपूर्ण है।

पाक प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने विदेश मंत्री इशाक डार को किया उप प्रधानमंत्री नियुक्त

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने विदेश मंत्री इशाक डार को पाकिस्तान का उप प्रधानमंत्री नियुक्त किया है। पार्टी सूत्रों की मानें तो यह पहले से ही तय था कि उन्हें उप प्रधानमंत्री बनाया जाएगा। पिछली दो सरकारों में डार के पास वित्त मंत्रालय का जिम्मा था लेकिन इस सरकार में उन्हें वित्त मंत्रालय नहीं दिया गया, जिस वजह से रविवार को उप प्रधानमंत्री बनाकर उनकी साख को बरकरार रखा गया।

बता दें, डार कश्मीरी मूल के नागरिक हैं। वे पेशे से चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं और पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के वरिष्ठ नेता हैं। वह पार्टी प्रमुख और तीन बार प्रधानमंत्री रह चुके नवाज शरीफ के विश्वासपात्र भी माने जाते हैं। पीएमएल-एन सुप्रीमो नवाज अपने विश्वासपात्र को सरकार में एक महत्वपूर्ण पद पर रखना चाहते थे, जिससे वित्त विभाग के नुकसान की भरपाई की जा सके। नवाज शरीफ और डार की नजदीकी का कारण सिर्फ

राजनीतिक ही नहीं बल्कि पारिवारिक भी है। दरअसल, डार का बड़ा बेटा शरीफ का दमाद है। डार वर्तमान में प्रधानमंत्री शहबाज के साथ विश्व आर्थिक मंच की विशेष बैठक के लिए सऊदी अरब में हैं।

पार्टी के अंदरूनी सूत्र ने दावा किया है कि डार को उप प्रधानमंत्री बनाने का कदम पूर्व नियोजित था। गठबंधन सरकार के गठन के दौरान ही यह तय हो गया था कि डार उप प्रधानमंत्री बनेंगे। हालांकि, दिलचस्प ये रहा कि सत्तारूढ़ गठबंधन में शामिल पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) ने भी डार की नियुक्ति पर कोई सवाल नहीं खड़ा किया। पीपीपी के सूचना सचिव फैसल करीम कुंडी ने कहा कि उनकी पार्टी को उप प्रधानमंत्री के रूप में डार की नियुक्ति पर कोई आपत्ति नहीं है। डार को उपप्रधानमंत्री नियुक्त करना प्रधानमंत्री का विशेषाधिकार है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, इससे पहले, पिछली दो सरकारों में डार वित्त मंत्री रह चुके हैं। वित्त मंत्री के तौर पर डार की काफी आलोचना हुई थी। पाकिस्तान में आए आर्थिक संकट के कारण उनका काफी विरोध हुआ था। कहा जाता है कि आईएमएफ की चिंताओं को नजरअंदाज करने के कारण पाकिस्तान की वित्तीय हालत खराब हुई है। शुरूआत में अंदरखाने चचाएं थीं कि उन्हें संसद के ऊपरी सदन सीनेट का अध्यक्ष बनाया जा सकता है लेकिन पीपीपी के साथ गठबंधन के बाद सीनेट अध्यक्ष बनाए जाने की चचाएं खत्म हो गईं थी।

इमरान की पार्टी ने जताया सख्त विरोध

इस बीच, पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पीटीआई ने इस नियुक्ति पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि शहबाज शरीफ परिवार के भीतर ही प्रमुख राष्ट्रीय पद बांट रहे हैं। खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री के सूचना मामलों के विशेष सहायक बैरिस्टर मुहम्मद अली सैफ ने कहा कि संविधान में डिप्टी पीएम के पद का प्रावधान नहीं है। उन्होंने सरकार की निंदा करते हुए कहा कि लोगों के मुद्दों को हल करने के बजाय सरकार बड़े-बड़े पद देने में जुटी हुई है।

दुबई में दुनिया के सबसे बड़े हवाई अड्डे का काम शुरू

लगभग 2900 करोड़ रुपये की लागत से होगा तैयार

दुबई। दुबई में दुनिया के सबसे बड़े हवाई अड्डे का काम शुरू हो चुका है। यह अल मकतूम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा वर्तमान में दुबई के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से लगभग पांच गुना बड़ा होगा। यही नहीं इसमें पांच रनवे की सुविधा भी होगी। इसके नए यात्री टर्मिनल को मंजूरी मिल चुकी है।

रविवार को यूएई के पीएम एचएच शेख मोहम्मद ने एक्स पर एक पोस्ट की। जिसमें उन्होंने बताया कि अल मकतूम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर नए यात्री टर्मिनल के डिजाइन को मंजूरी दे दी गई है। इसके साथ ही दुबई में 128 बिलियन की लागत से भवन का निर्माण शुरू कर दिया गया है। यह दुनिया का सबसे बड़ा हवाई अड्डा होगा, जो कि वर्तमान हवाई अड्डे का पांच गुना होगा।

गले कुछ सालों में दुबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का सभी परिचालन अल मकतूम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि वे ₹दुबई दक्षिण में हवाई अड्डे के आसपास₹ एक पूरे शहर का निर्माण कर रहे हैं। जो रसद और हवाई परिवहन क्षेत्रों में दुनिया की अग्रणी कंपनियों की मेजबानी करेगा। इसके अलावा दस लाख लोगों के लिए आवास की मांग करेगा। उन्होंने कहा कि हम आने वाली पीढ़ियों के लिए नई परियोजना तैयार कर रहे हैं।

नई परियोजना हमारे बच्चों और उनके बच्चों के लिए निरंतर और स्थिर विकास सुनिश्चित करेगी। दुबई दुनिया का हवाई अड्डा, इसका बंदरगाह, इसका शहरी केंद्र और इसका नया वैश्विक केंद्र होगा।

ये होंगी विशेषताएं

क्षमता– अल मकतूम अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा दुनिया में सालाना 260 मिलियन यात्री यात्रा करेंगे।
आकार– मौजूदा दुबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से पांच गुना बड़ा होगा।
आधारभूत संरचना– परिचालन सुगम बनाने के लिए हवाईअड्डा 400 विमान गेटों को समायोजित करेगा।
रनवे– हवाई यातायात सरल बनाने के लिए पांच समानांतर रनवे होंगी।
नवाचार– यह परियोजना नई विमानन प्रौद्योगिकी का उदाहरण होगी।
समय– 10 वर्षों में इसे पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

ब्लिंकन करेंगे इस्राइल-हमास संघर्ष विराम पर चर्चा

अब तक 30 हजार से ज्यादा लोगों की हो चुकी है मौत

रियाद। हमास और इस्राइल बीते छह महीने से जंग लड़ रहे हैं। इस्राइल द्वारा हमास को खत्म करने का संकल्प गाजा पट्टी के लोगों पर भारी पड़ रहा है। अब तक 30 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। इस बीच, अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन सोमवार को सऊदी अरब के रियाद पहुंचे। बता दें, ब्लिंकन सऊदी अरब के बाद जॉर्डन और इस्राइल भी जाएंगे। ब्लिंकन की यात्रा का मकसद मध्य पूर्व में शांति प्रक्रिया में तेजी लाना और इस्राइली बंधकों की रिहाई है।

अमेरिकी विदेश विभाग के अनुसार, सऊदी अरब में ब्लिंकन क्षेत्रीय सुरक्षा पर समन्वय को आगे बढ़ाने के लिए खाड़ी सहयोग परिषद की मंत्रिस्तरीय बैठक में भाग लेंगे। बताया जा रहा है कि वह वैश्विक सहयोग और

विकास के लिए ऊर्जा पर विश्व आर्थिक मंच की विशेष बैठक में भी शामिल होंगे। अमेरिका के अरब भागीदारों से मिलने के लिए 29 अप्रैल से एक मई की अपनी यात्रा के दौरान, ब्लिंकन गाजा में संघर्ष विराम के लिए चल रहे प्रयासों पर चर्चा करेंगे। इसके अलावा, गाजा को दी जा रही मानवीय सहायता में हालिया वृद्धि पर भी बात करेंगे।

ब्लिंकन साथ ही कैदियों की रिहाई पर बात करेंगे जो फलस्तीनी लोगों और युद्धविराम के बीच एक दीवार है। बता दें कि, इस्राइल ने मिस्र के मध्यस्थों के माध्यम से हमास को पहले ही बता दिया है कि, अगर 33 कैदियों को फौरन रिहा नहीं किया गया तो साउथ गाजा पट्टी में राफा इलाके पर जमीनी आक्रमण शुरू हो जाएगा। इस्राइल ने यह भी कहा है कि अगर सियासी चर्चा नाकाम हो जाती है तो उसकी फौज राफा क्षेत्र में दाखिल हो जाएगी।

बता दें, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और उनके इस्राइली समकक्ष बेंजामिन नेतन्याहू द्वारा बंधकों की रिहाई के बदले गाजा पट्टी में हमले रोकने पर चर्चा हुई। इसके ही कुछ घंटों बाद ब्लिंकन रियाद पहुंचे। विदेश विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को बताया कि विदेश मंत्री गाजा के भविष्य के संबंध में सऊदी के अधिकारियों और मंत्रियों से मिलेंगे।

वहीं एंटनी ब्लिंकन युद्ध को रोकने पर जोर देंगे और क्षेत्र में स्थायी शांति और सुरक्षा प्राप्त करने के लिए चल रहे प्रयासों पर चर्चा करेंगे। विदेश विभाग ने एलान किया है कि शीर्ष अमेरिकी राजनयिक इस्राइल और जॉर्डन की भी यात्रा करेंगे।

प्रिंस हैरी इनविक्टस गेम्स के लिए आएंगे ब्रिटेन!

लंदन। ब्रिटेन के शाही परिवार के सदस्यों की सेहत कुछ ठीक नहीं है। राजकुमारी केट मिडलटन बता चुकी हैं कि उन्हें कैंसर है, उधर किंग चार्ल्स भी कैंसर से जूझ रहे हैं। इन सबके बीच राजकुमार हैरी के ब्रिटेन आने पर लगातार संशय बना हुआ है। जहां थोड़े दिन पहले कहा जा रहा था कि सुरक्षा कारणों के चलते राजकुमार हैरी ब्रिटेन नहीं आएंगे। वहीं अब बताया जा रहा है कि वह अगले महीने होने वाले इनविक्टस गेम्स के लिए ब्रिटेन लौटने के लिए तैयार हैं।

राजकुमार हैरी आठ मई को लंदन के सेंट पॉल कैथेड्रल में इनविक्टस गेम्स की शुरूआत के 10 साल पूरे होने के अवसर पर एक समारोह को संबोधित करेंगे। बता दें, अपने पिता राजा चार्ल्स के कैंसर होने की जानकारी मिलने पर फरवरी में राजकुमार हैरी ब्रिटेन आए थे। फिलहाल, यह स्पष्ट नहीं है कि हैरी ब्रिटेन की यात्रा के दौरान अपने पिता और भाभी से मिलेंगे या नहीं।

विश्वविद्यालयों में तेज हुए विरोध-प्रदर्शन

गाजा में मानवीय परिस्थितियों को लेकर अमेरिका में आक्रोश

वाशिंगटन। हमास और इस्राइल बीते छह महीने से जंग लड़ रहे हैं। इस्राइल द्वारा हमास को खत्म करने का संकल्प गाजा पट्टी के लोगों पर भारी पड़ रहा है। गाजा में पैदा हुई मानवीय परिस्थितियों को लेकर अमेरिका में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। देशभर में लोग इस्राइल के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन कर रहे हैं। यह विरोध कॉलेज परिसरों में भी जारी हैं। पुलिस ने सप्ताहांत में करीब 275 लोगों को गिरफ्तार किया है।

अब तक क्या कुछ हुआ-

अमेरिका के विश्वविद्यालयों में फलस्तीनी समर्थक प्रदर्शन और तेज हो गए हैं। यहां पुलिस की कार्रवाई और गिरफ्तारी एक और सप्ताह जारी रही। हार्वर्ड विश्वविद्यालय में प्रदर्शनकारियों ने, जहां अमेरिका का झंडा लगा होता है, वहां फलस्तीनी झंडा लगाया।

इसके अलावा, हिल्टन होटल में व्हाइट हाउस के पत्रकारों का भोज होना था। यहां जो बाइडन के रात्रिभोज को संबोधित करने की उम्मीद थी। कार्यक्रम से पहले यहां फलस्तीनियों का समर्थन कर रहे लोग पहुंच गए। इनमें से कुछ ने होटल की सबसे ऊपरी मंजिलों में से एक पर फलस्तीनी झंडा लगा दिया। घटनास्थल पर मौजूद प्रदर्शनकारियों ने इस पर तालियां बजाईं।

प्रदर्शनकारियों ने फलस्तीनी केफिए और तरबूज के प्रतीक वाले कपड़े पहने थे। उन्होंने वाशिंगटन हिल्टन के बाहर फलस्तीनी मुक्त के नारे लगाए। साथ ही कहा कि हम कवरेज की मांग करते हैं।

खालसा दिवस पर लगे खालिस्तान समर्थक नारे

प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने कहा, आपके अधिकारों की रक्षा के लिए हम मौजूद

टोरंटो। कनाडा के टोरंटो में खालसा दिवस मनाया गया, जिसमें काफी संख्या में सिख समुदाय के लोग एकत्र हुए। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने उनको संबोधित करते हुए कहा कि आपके अधिकारों की रक्षा के लिए हम मौजूद हैं। इस बीच उपस्थित लोगों ने खालिस्तान के नारे लगाना शुरू कर दिया। उन्होंने सिख समुदाय को आश्वासन देते हुए कहा कि कनाड़ा विविधता के कारण ही मजबूत है।

टोरंटो में रविवार को खालसा दिवस पर एक कार्यक्रम का आयोजन हुआ। जिसमें कनाडा पीएम जस्टिन ट्रूडो भी उपस्थित हुए। यहां उन्होंने सिख समुदाय के अधिकारों के साथ-साथ भारत के साथ समझौता करने आदि के बारे में बात की।

उन्होंने कहा कि कनाड़ा की सबसे बड़ी शक्ति यहां की विविधता है। उन्होंने कहा कि यहां कई मतभेद हैं,

लेकिन यही मतभेदों के कारण ही मजबूत भी हैं।

देश में सिख समुदाय आठ लाख लोग हैं, जिनके अधिकारों की रक्षा के लिए हम हमेशा मौजूद हैं। उन्होंने आश्वासन देते हुए कहा कि वे हमेशा सिख समुदाय की नफरत और भेदभाव से उनकी रक्षा करेंगे। उन्होंने सिख समुदाय के लोगों से कहा कि वे बिना डर के अपने धर्म का पालन करें, कनाडाई चार्टर में मौलिक अधिकारों और स्वतंत्रता की गारंटी है, और इसके लिए वे उनके साथ हैं। इसी दौरान मौजूद भीड़ ने खालिस्तान के नारे लगाने शुरू कर दिए।

भारत के साथ समझौते की कोशिश

पीएम ट्रूडो ने कहा कि मुझे पता है कई लोग अपने परिजनों, रिश्तेदारों से मिलना चाहते हैं, लेकिन इसलिए वे भारत सरकार से नए समझौते पर बातचीत करेंगे। जिसमें दोनों देशों के बीच वायुमार्ग को वापस पटरी पर लाया जा सके। अमृतसर सहित अन्य शहरों की उड़ान भर सके।

भारत और कनाडा के संबंध में खटास

भारत और कनाडा के मधुर संबंध उस वक्त से खराब हुए जब कनाडा में हुए एक हमले का जिम्मेदार उसने भारत को ठहराया। 18 जून 2023 को भारत द्वारा नामित आतंकवादी हरदीप सिंह की ब्रिटिश कोलंबिया में मार गिराया था। इसके बाद पीएम ट्रूडो का आरोप था कि इसमें भारत सरकार का हाथ है, हालांकि भारत ने इस आरोप को खारिज कर दिया था। लेकिन इसके बाद से दोनों देशों के संबंध में खटास आ गई थी।

अफगानिस्तान में स्थिति बेहद नाजुक, 2.37 करोड़ लोग बीमारी से जूझ रहे, यूनिसेफ की रिपोर्ट में खुलासा

विशेष। संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) ने अपनी एक रिपोर्ट के जारी करते हुए कि अफगानिस्तान में 12.3 मिलियन बच्चों के साथ-साथ 23.7 मिलियन लोगों को भी मदद की आवश्यकता है। इस साल में अब तक खसरे के 14,570 मामले सामने आ चुके है, जिसमें से 71 मौतें हो चुकी हैं।

अफगानिस्तान के हालात बद से बदतर होते जा रहे हैं। यूनिसेफ की रिपोर्ट के अनुसार अफगानिस्तान में जलवायु परिवर्तन, आर्थिक मंदी और बेरोजगारी के कारण लंबे समय से गरीबी बढ़ती जा रही है। बता दें कि यूनिसेफ ने मार्च में देश की मानवीय स्थिति पर रिपोर्ट जारी की है, जिसमें अफगानिस्तान को मानवीय सहायता की आवश्यकता पर बात की गई है।

रिपोर्ट के अनुसार अफगानिस्तान 12.3 मिलियन बच्चों के साथ-साथ

23.7 मिलियन लोगों को मानवीय मदद की आवश्यकता है। स्थिति यहां तक बिगड़ी हुई है कि इस साल की शुरूआत से अब तक लगभग 71 मौतें दर्ज हुई हैं, वहीं 14,570 खसरे के मामले सामने आए हैं। बीमारों में 11,000 से अधिक बच्चे हैं, जिनकी उम्र 5 वर्ष से कम है। वहीं 6000 से अधिक महिलाएं इसका शिकार हुई हैं।

यूनिसेफ ने अपने मानवीय साझेदारों से अफगानिस्तान में महिला कर्मचारियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने का आग्रह किया। रिपोर्ट के अनुसार 1.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर की सहायता से अफगानिस्तान के केवल 35 प्रतिशत बच्चों को ही सुरक्षित किया गया है।

बता दें कि सेव द चिल्ड्रन ने हाल ही में अफगानिस्तान के बच्चों की स्थिति पर चिंता व्यकत की है। अंतरराष्ट्रीय गैर-सरकारी संगठन ने कहा कि पाकिस्तान से लौटने वाले 2,50,000 अफगान बच्चों को भोजन और आश्रय की कमी का सामना करना पड़ रहा है। 27 अप्रैल को विश्व खाद्य कार्यक्रम में बताया गया कि हर महीने छह मिलियन लोगों को भोजन के साथ-साथ नगद दिया जा रहा है।

संयुक्त राष्ट्र का अनुमान है कि यदि स्थिति में सुधार नहीं आता है तो अफगानिस्तान में लगभग 15.8 मिलियन लोग खाद्य असुरक्षा संकट से जूझेंगे। बता दें कि अफगानिस्तान में लोगों की बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के लिए मानवीय मामलों के समन्वय के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय ने 3.6 बिलियन अमेरिकी डॉलर का बजट मांगा गया है।

नकदी संकट से जूझ रहे पाक के पूर्व प्रधानमंत्री अब्बासी ने चिंता जताई

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की आर्थिक हालत किसी से छिपी नहीं है। कर्ज में डूबा देश आए दिन अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के सामने हाथ फैला देता है। कुछ दिनों पहले ही एक बार फिर इसने आईएमएफ से राहत पैकेज देने का औपचारिक अनुरोध किया। इस बीच नकदी संकट से जूझ रहे देश के पूर्व प्रधानमंत्री शाहिद खाकान अब्बासी ने अपनी नाकामी को लेकर चिंता जताई है। उनका कहना है कि आईएमएफ से बेलआउट (आर्थिक सहायता) मांगने का सरकार का फैसला इस बात का सबूत है कि हम नाकाम रहे। उन्होंने जोर देकर कहा कि अर्थव्यवस्था के सभी संकेत नकारात्मक हैं।

देश का आर्थिक विकास रुक जाता है

लाहौर में रविवार को अस्मा जहांगीर सम्मेलन को संबोधित करते हुए अब्बासी ने कहा, 'आईएमएफ के

साथ किए समझौतों की वजह से देश का आर्थिक विकास रुक जाता है और महंगाई बढ़ जाती है। हालांकि, आईएमएफ आपको जिंदा रखने में मदद करता है, लेकिन आपकी आर्थिक स्थिति हर मापदंड पर बिगड़ती जाती है।'

उन्होंने कहा कि लोग अक्सर वार्षिक बजट में राहत के बारे में बात पूछते हैं। वहीं, सरकारें हर चीज के लिए उधार लेना शुरू कर देती हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जब तक न्याय व्यवस्था में सुधार नहीं होता तब तक पाकिस्तान में कोई निवेश नहीं होगा।

राजनीतिक मुद्दे अनसुलझे रहेंगे तो...

सरकार की हालिया पहलों पर अप्रत्यक्ष रूप से कटाक्ष करते हुए पूर्व पीएम अब्बासी ने कहा कि सरकारें अक्सर गरीब लोगों की मदद को आटा बांटती हैं। फिर भी इस प्रक्रिया में इसका 40 प्रतिशत गबन हो जाता है। उन्होंने कहा कि यदि राजनीतिक मुद्दे अनसुलझे रहेंगे तो उद्योग कामयाब नहीं हो सकता, क्योंकि सब कुछ आपस में जुड़ा हुआ है। यह भ्रम न रखें कि चीजें अपने आप सुधर जाएंगी।

उन्होंने इस बात पर जोर देते हुए कहा कि आईएमएफ के साथ किए समझौते विकास में बाधा बनते हैं और महंगाई बढ़ाते हैं। आईएमएफ के बेलआउट को आईसीयू के इलाज से जोड़ते हुए उन्होंने पाकिस्तान द्वारा बार-बार ऐसे उपायों पर चिंता जताई।

मतदान प्रतिशत कम होने को लेकर करंट क्राइम ने रखा जनता के बीच सवाल

किसी ने कहा संगठन निष्क्रिय, किसी ने कहा बीएलओ की कमी और किसी ने बताया दिल्ली खुला होने को जिम्मेदार

facebook

केलाश यादव

एक ही परिवार जो एक घर में रहते हैं और उनका वोट दो मतदान केंद्रों पर हैं। और घर के पास जो मतदान केंद्र था वहां कहीं और का मतदान पड़ रहा था और उस परिवार का मतदान केंद्र की दूरी लगभग दो किलोमीटर थी। प्रशासन को विचार करना चाहिए और सभी वोट को नये सिरे से बनानी चाहिए।

Like Comment Share

facebook

संजीव झां

वोटर लिस्ट अपडेट ना करवाना बार-बार BLO की वोटर लिस्ट, चुनाव अधिकारियों की वोटर लिस्ट, और हमारे बस्ते की वोटर लिस्ट सभी का अलग-अलग होना इस बार जो हमें बस्ते पर नहीं मिले इछड की लिस्ट में नहीं मिले वह नाम पीठासीन अधिकारी की वोटर लिस्ट में था।

Like Comment Share

facebook

मैहताब खान

10% परसेंट लोगों को तो यह भी पता नहीं है हमारे यहां चुनाव हो गया है प्रत्याशी द्वारा मैनेजमेंट ठीक से नहीं कर पाना और पुराने कार्यकताओं को अनदेखा करने के करण कार्यकताओं ने जनता को जागरूक नहीं किया क्योंकि कार्यकर्ता ही होता है जो हर दरवाजे पर दस्तक देता है प्रत्याशी सब जगह नहीं जा सकता कार्यकर्ता सब जगह पहुंच जाता है।

Like Comment Share

facebook

मोहित कौशिक

सातो चरणों मे से छ चरणों का चुनाव शुक्रवार को होना हैं जायदातर लोग छुट्टी मनाने निकल गए थे दूसरा कारण किसान का कटाई व बुआई का समय हैं चुनाव प्रतिशत गर्मी की वजह से कम हुआ है बाकी कोई और कोई कारण नहीं है भाजपा प्रत्याशी श्री अतुल गर्ग जी 5 लाख वोटो से जीत रहे हैं इसमें कोई समस्या नहीं है।

Like Comment Share

facebook

निखिल प्रजापति

चुनाव प्रतिशत कम रहने का काफी कारण है। गर्मी बहुत अधिक थी जिसके कारण मतदाता घरों से बाहर नहीं आए। बहुत से स्थानो पर वोटरों के नाम वोटर लिस्ट से गायब मिले और बी एल ओ ने भी हर घर तक पर्चियों का वितरण नहीं किया। खासकर शहरी क्षेत्र में पर्चियों का वितरण नहीं किया गया था और चुनाव शुक्रवार के दिन था काफी मतदाता 3 दिन का अवकाश होने के कारण घूमने चले गये। चुनाव का कम होना सभी राजनीतिक दलो के साथ साथ चुनाव आयोग की भी एक बड़ी विफलता है।

Like Comment Share

facebook

प्रवीण कुमार

बीएलओं ने बस्तियो में पर्ची ही नहीं बांटी लोगो के घरो में पर्ची नहीं गयी लोग परेशान रहे जब इ छ ड वोट बनाती है तो उन्हें सबका पता होता हैं की ये किसकी पर्ची हैं लेकिन उन्होंने अपना काम सही नहीं निम्भाया अगर वो सभी पर्ची बाट देती तो ये नौबत नहीं आती।

Like Comment Share

विकास शर्मा

जब कोई काम पार्टी को कराना होता है तो कार्यकर्ता याद आते है। वोटर पर्ची घर घर पहुंचानी हो। घर घर प्रचार करना हो। रेली में भिड़ करनी हो तो भी कार्यकर्ता याद आते है। भाजपा मैं इतने कार्यकर्ता नही है एक आवाज है जो एक ईमानदारी से एकजुट होकर कार्य करता है। भाजपा के प्रभारी ने सभी विधायकों और अध्यक्ष से पूछ कर उपर संघटन पर भेज दिया यहां कार्यकर्ता याद नहीं आए। कार्यकर्ता को ही पता होता है ये कैसा नेता है। अतुल गर्ग ने एक सभा में बोला था कि ये विधायक का चुनाव मेरा आखरी चुनाव है। फिर लोकसभा का टिकट मांग लिया। करोना काल में जो इन्होंने गाजियाबाद के लोगो के साथ नही दिया उसे देखते हुऐ इन्हे चुनाव लडने से मना कर देना चाहिए था। एक यही कारण है वोट परसेंट कम होने का।

रवि कुमार गर्ग

चुनाव प्रतिशत गर्मी की वजह से कम हुआ है बाकी कोई और कोई कारण नहीं है भाजपा प्रत्याशी श्री अतुल गर्ग जी 5 लाख वोटो से जीत रहे हैं इसमें कोई समस्या नहीं है।

संदीप त्यागी

मेरा वोट दो जगह आ गया और वोट डालेगा एक जगह मेरा शत प्रतिशत मतदान होने के बावजूद परिणाम आएगा 50% बहुत सारे लोगों का भाग संख्या बदल गया है बीएलओ द्वारा पर्चियां पूरी तरीके से नहीं पहुंचाई गई है आसपास दिल्ली हरियाणा में कार्यरत गजप्रस्थ निवासी नौकरी पेशा लोग छुट्टी ना मिलने के कारण मतदान नहीं कर पाए इसके लिए रसम के चुनाव सुधार अभियान को मनाने के अलावा कोई दूसरा उपाय चुनाव आयोग के पास नहीं है।

चौधरी प्रशांत

बार बार झूठ से लोग परेशान हो गए।

सतेन्द्र चौधरी गाजियाबाद

प्रशासन और सरकारे ,खूब कोशिश कर रही है ,फिर भी वोट परसेंटेज बड नही रहा क्यू ?? मिडिल क्लास ,निम्न वर्ग खूब इंटरेस्ट लेता है वोटिग मे ,ये कोन लोग है जो वोट नही डालते।

शाहबुदीन सैफी

भाटी जी सबसे बड़ा कारण बीजेपी भी जानती है और मीडिया भी जानती है बीजेपी बुथ हमेशा से मजबूत रहा हैं मगर इस बार बीजेपी का बुथ बहुत कमजोर रहा है कारण कोई भी।

मुकेश राघव

वोटर लिस्ट में नाम ना होना और दूसरी जगह ट्रांसफर होना वार्ड 27 शांति नगर का भी यही हाल रहा इसीलिए वोटर परसेंट यहां पर भी कम रहा दूसरे सेंट्र पर गर्मी की वजह से हिम्मत नहीं दिखाई।

अजय चौधरी

चापलुसो को अपने पीछे लगायें रखना।

सुभाष चंद गौतम

लोगो मैं जागरूकता का न होना,अपना कर्तव्य नहीं निभाना,

दिपाली जैन जिया

शुक्रवार का दिन होना, उसके बाद दो छुट्टियां और मिलने से अधिकतर लोग 3 दिन के लिए घूमने निकल गए।

एडवोकेट रविंद्र राजपूत

बीएलओ की असक्रियता जिसके कारण नए वोट नहीं बने और पुराने वोटो में गड़बड़ी।

विनेन्द्र सिंह

वोटर लिस्ट नगर निगम चुनाव की तरह अपडेट होनी चाहिये। बीएलओं कार्य नही करते है।

सन्त्री

एक तो ज्यादा गर्मी होने का कारण रही दूसरा काफी लोगों की वोट भी कटी हुई है जब 5 लोग मतदान करते हैं वहां पर तीन लोगों के या दो लोगों के मतदान हो सके इस कारण वोटिंग काम हो पाई।

वरेन्द्र कुमार

वोट कम होने का कारण भारतीय जनता पार्टी के लोगों ने वोट बनवाने में लापरवाही करी और जो भी पर्ची सरकारी बट रही थी उन पर ही विश्वास रखा कोई भी भारतीय जनता पार्टी का कार्यकर्ता किसी के घर पर्ची पकाने नहीं गया सिर्फ मोदी जी के नाम पर वोट मांगे गए इस वजह से 10 लाख वोटो से जीतेंगे 567 000 हजार जनरल बी के सिंह साहब वाली 200000 वोट लोकल प्रत्याशी की 133000 वोट राष्ट्रीय लघु दल और मुसलमान की जो गठबंधन हुआ है इसी वजह से ही 10 लाख वोटो से जीतेंगे।

अशोक संत

जहां तक कम प्रतिशत में मतदान की वजह है वह राजनेतिक दलों की जनता के प्रति बेरुखी मुख्य कारण है मैंने भी ग्राउंड पर पार्टी कार्यकताओं व आम लोगों को कहते सुना की भाजपा प्रत्याशी किसी भी कार्यकर्ता या जनता से सही व्यवहार करते है वर्तमान प्रत्याशी अगर कोई और होता तो वोट प्रतिशत 70 % से ऊपर होता और जीत का अंतर भी ज्यादा होता अब तो इस चुनाव में आवाज कुछ और ही आ रही है ? एक वर्ग जिसका मैं नाम नहीं लूंगा वह भाजपा में मलाई खा रहा है उसने भी भाजपा को वोट नहीं किया लेकिन उच्च पदों पर उनकी ही भरमार है ! अब आने वाला समय वह बूथ के वोटों से पता चल जाएगा किस बूथ पर कितने वोट पार्टी को मिलेंगे ? इतना तय है जीत भाजपा ही रही है प्रत्याशी नहीं जीत मोदी योगी की होगी बकौल प्रत्याशी वोट मोदी योगी को देना है और हुआ भी वहीं !

रवि कुमार गर्ग

चुनाव प्रतिशत गर्मी की वजह से कम हुआ है बाकी कोई और कोई कारण नहीं है भाजपा प्रत्याशी श्री अतुल गर्ग जी 5 लाख वोटो से जीत रहे हैं इसमें कोई समस्या नहीं है।

मनोज बेबाक मुंगेरी

वोटिंग के दिन पडोसी राज्य मे नौकरी डे होना,,,कुछ % लोग एरिया छोड़कर इधर-उधर चले जाना,,,, कुछ लोग भगवान के पास भी ,,,,,,कुछ लोग की पार्टी व प्रत्याशी मनका ना होना,,,,बहुत बड़ा वोटर लिस्ट मे गरवरी होना,,,,, कार्यकर्ताओ के आपसी गुटबाजी के कारण हर मतदाता तक बात और वोटर स्लिप नही पहुंचना ,,,,,,वोटर लिस्ट हर चुनाव का अलग-अलग होना ,,,,,मै 1994 से मतदान अभिकर्ता व बूथ मैनेजमेंट,,,बूथ अध्यक्ष का कार्य हर चुनाव मे करता आया हू,,,,,के जानकारी पर विचार दिए है। समर्पित संघर्षरत सत्य मार्ग का कार्यकर्ता

अनु चौधरी

चुनाव प्रतिशत गर्मी की वजह से कम हुआ है और दुसरा कारण वोटर लिस्ट में नाम कटे हुए थे बाकी कोई और कारण नहीं है भाजपा प्रत्याशी श्री अतुल गर्ग जी 6 लाख वोटो से जीत रहे हैं इसमें कोई समस्या नहीं है।

आरपीएस राघव

भाटी जी सादर नमस्कार बोट कम प्रतिशत का कारण है बीएलओ ने सही ढंग से काम नहीं किया आगे भी एक बड़े अभियान की जरूरत है बोट बनवाने के लिए।

डेल्ट कॉलोनी

डेल्टा कॉलोनी न्यूज द्वारा वार्ड 68, 94 व 97 में 300 से अधिक लोगों पर किये गए सर्वे के आधार पर लोगों में चुनाव को लेकर उत्साह की कमी एक बड़ा कारण रहा।

रणवीर गौतम

प्रशासन को दोष दे रहे हैं, ये तो बताइये कहां गये भाजपा के पन्ना प्रमुख, हर पन्ने पर पांच कार्यकर्ता तैनात। मैं अपने गांव की बात कर रहा हूं, ना कहीं पन्ना प्रमुख थे, ना वोटर।

रोहिल युवा

बहुत से लोगों के लिस्ट में नाम नहीं है।

ठाकुर नवीन सिंह पुण्डीर

चुनाव आयोग और सरकार को वोट ना करने वालो पर आर्थिक दण्ड का प्रावधान करना चाहिए और जिसकी वोट 18 वर्ष पूर्ण होने पर ना बन पाए या काट दी जाए उसके ऊपर सरकार पर आर्थिक दण्ड होना चाहिए।

ठाकुर पुष्पेन्द्र सिंह राजपूत

बीजेपी पाटी मे पुराने वाले कर्मठ कार्यकताओं की कमी है आज कल फेसबुक और सेल्फी लोगो से संतूलन ना बनने के कारण कम मतदान हुआ जिसे देखा वो सेल्फी लेकर फेसबुक या इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर रहा था ४७ % मतदान चिंता का विषय है।

संचारी रोगों की रोकथाम के लिए मलिन बस्तियों में चलाएं अभियान : नगर आयुक्त

गाजियाबाद, करंट क्राइम। गाजियाबाद नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक द्वारा नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर मिथिलेश को मलिन बस्तियों में भी संचारी रोगों की रोकथाम के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं, इसी क्रम में फॉगिंग तथा एंटी लारवा छिड़काव की कार्यवाही को तेज किया गया है। इसी के साथ-साथ सफाई अभियान को भी बड़े स्तर पर चलाए जा रहा है।

मलिन बस्तियों को चयनित कर कार्यवाही को दी गई गति

(करंट क्राइम)। मलिन बस्तियों को चयनित करते हुए गाजियाबाद नगर निगम स्वास्थ्य विभाग द्वारा कार्यवाही को तेज कराया जा रहा है जिसमें सेवा नगर वार्ड 17, सिब्बन पुरा वार्ड 9, दीनदयाल पूरी वार्ड 6, मालीवाडा वार्ड 8, विवेकानंद नगर वार्ड 65, भोवापुर वार्ड 21, महाराजपुर वार्ड 41,मकनपुर वार्ड 57,साहिबाबाद गांव वार्ड 40,राजीव कॉलोनी वार्ड 28,करेड़ा वार्ड 45,पसोंडा वार्ड 63,सुदामापुरी वार्ड 7, व अन्य मलिन बस्तियों के अंदर संचारी रोगों की रोकथाम के लिए अभियान जारी है जिसको और अधिक रफ्तार देने के लिए नगर आयुक्त द्वारा विभाग को निर्देश जारी किए हैं।

मलिन बस्तियों को चयनित कर कार्यवाही को दी गई गति

(करंट क्राइम)। मलिन बस्तियों को चयनित करते हुए गाजियाबाद नगर निगम स्वास्थ्य विभाग द्वारा कार्यवाही को तेज कराया जा रहा है जिसमें सेवा नगर वार्ड 17, सिब्बन पुरा वार्ड 9, दीनदयाल पूरी वार्ड 6, मालीवाडा वार्ड 8, विवेकानंद नगर वार्ड 65, भोवापुर वार्ड 21, महाराजपुर वार्ड 41,मकनपुर वार्ड 57,साहिबाबाद गांव वार्ड 40,राजीव कॉलोनी वार्ड 28,करेड़ा वार्ड 45,पसोंडा वार्ड 63,सुदामापुरी वार्ड 7, व अन्य मलिन बस्तियों के अंदर संचारी रोगों की रोकथाम के लिए अभियान जारी है जिसको और अधिक रफ्तार देने के लिए नगर आयुक्त द्वारा विभाग को निर्देश जारी किए हैं।

फॉगिंग, एंटी लारवा छिड़काव तथा सफाई व्यवस्था सुदृढ़ करने के दिए निर्देश

(करंट क्राइम)। नगर आयुक्त द्वारा जहां स्वास्थ्य विभाग को मलिन बस्तियों में विशेष रूप से फॉगिंग का कार्य तथा एंटी लारवा छिड़काव का कार्य करने के लिए निर्देशित किया गया है, वहीं जोनल प्रभारी को भी अपनी मॉनिटरिंग को और अधिक प्रबल करते हुए सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए निर्देशित किया गया है। गाजियाबाद नगर निगम लगातार शहर तथा ग्रामीण क्षेत्रों में सफाई के लिए अभियान के रूप में कार्य कर रहा है जो अत्यंत सराहनीय है।

अल्हड़ बीकानेरी सम्मान से सुरेंद्र शर्मा, कीर्ति काले और मदन मोहन समर का हुआ सम्मान

नई दिल्ली (करंट क्राइम)। हिंदी भवन के भव्य सभागार में साहित्य प्रेमी मंडल के तत्वावधान में स्वर गंगा कवि सम्मेलन और सम्मान समारोह पूरी दिव्यता और भव्यता के साथ संपन्न हुआ। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व केंद्रीय मंत्री सत्यनारायण जटिया की उपस्थिति रही। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि मैंने पिछले दस वर्षों में दिल्ली में इतना भव्य साहित्यिक सम्मान समारोह नहीं देखा। साहित्य प्रेमी मंडल एक ऐसी संस्था है जो साहित्य के साथ-साथ संस्कारों का भी बीजारोपण कर रही है। उनके द्वारा पद्मश्री सुरेंद्र शर्मा को अल्हड़ बीकानेरी हास्य रत्न सम्मान से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर डॉ कीर्ति काले को निराला सम्मान और मध्य प्रदेश भोपाल से उपस्थित मदन मोहन समर को साहित्य भारतीय सम्मान प्रदान किया गया।

डॉ प्रवीण शुक्ल के संचालन में डॉ सुरेश अवस्थी और संदीप शजर ने भी अपना श्रेष्ठ काव्य पाठ प्रस्तुत किया। श्रोताओं से खचाखच भरे हिंदी भवन के सभागार में लगातार पांच घंटे तक आनंद, उत्साह और उमंग की बरसात होती रही। पूरा सभागार लगातार श्रोताओं से खचाखच भरा रहा।

अनेक श्रोताओं ने जगह न मिलने के कारण लगातार पांच घंटे तक अपने स्थान पर खड़े होकर कविताओं का आनंद लिया। कविवर ब्रज शुक्ल घायल द्वारा स्थापित साहित्य प्रेमी अपने 39 वर्ष पूर्ण कर चुका है।

इस यात्रा में साहित्य प्रेमी मंडल के खाते में अनेक विशिष्ट उपलब्धियां दर्ज हो चुकी हैं। आज का हिंदी भवन का कार्यक्रम भी उन्हीं उपलब्धियों में से एक उपलब्धि के रूप में याद किया जाएगा। श्रोताओं में डॉ सरिता शर्मा, अंजू जैन, डॉ विमलेश कांति वर्मा, डॉ सुभाष वशिष्ठ, अतुल प्रभाकर, राज कौशिक, महेश गर्ग बेधड़क, गुणवीर राणा, डॉ रंजना अग्रवाल, आदिल रशीद, पूनम मटिया, तूलिका सेठ, वंदना कुंअर रायजादा, विनोद पाराशर, सुनहरी लाल , योगेंद्र सुंदरियाल, रजनीश राज, मुकेश शर्मा, सरिता सरोज, डॉ रंजना अग्रवाल, प्रेम बिहारी मिश्र, अतुल जैन, हरि प्रकाश सहित अनेक कवियों, लेखकों और साहित्यकारों की उपस्थिति रही। प्रारंभ में संस्था के उपाध्यक्ष राजेश कुमार ने संस्था की गतिविधियों की जानकारी दी। इस अवसर पर संस्था के संरक्षक भाई अरविंद गुप्ता का जन्मदिवस भी मनाया गया। अंत में संस्था के कोषाध्यक्ष निर्दोष शर्मा ने सभी का आभार व्यक्त किया।

क्यों कहा कहने वाले ने कि हरि वाले कान्त का मन है इन दिनों महानगर वालों को लेकर बहुत ही अशांत? उन्होंने रखे अपने दिल के जज्बात? कहा कि ये तो नहीं है संगठन के महानगर वाले पदाधिकारी की अच्छी बात? वो केवल अपने अपनों की कराते हैं बड़े नेताओं से मुलाकात? हम भी रहते हैं उनके साथ लेकिन हमारी तो नहीं कराई आज तक उन्होंने किसी बड़े नेता से मुलाकात? क्यों कहा कनौजा वाले ने कि इन दिनों महानगर के बड़े पदाधिकारी के खास चेहरों की है मौजा ही मौजा?

क्यों कहा कहने वाले ने कि उसने दे दिया है कुल के दीप जलाने वाले त्यागी चेहरे को बड़ा चैलेंज? उन्होंने कहा है कि अगर मिस्टर त्यागी ने कहीं किया हो प्रचार तो वो मेरा चैलेंज करें स्वीकार? दिखा दें वो अपने चुनाव प्रचार के फोटो तो मैं उनसे शर्त जाऊंगा हार? कहने वाले ने कहा कि मेरा उन्हें चैलेंज है पूरा? उन्होंने केवल जन सभाओं में दिये हैं अपने ही दर्शन? वो गली मौहल्ले के चुनाव प्रचार में दिखा दें एक भी फोटो अपना करते हुए प्रदर्शन? कुल के दीप वाले त्यागी जी को दे दी गई है खुली चुनौती? अब उन्हें दिखाने हैं फोटो और बताना है ये रहा है मेरा प्रचार?

क्यों कहा कहने वाले ने कि किंग सिटी में चल रहा है भगवा कमिश्नरों के बीच ट्यूनिंग वाला ऐरर? नहीं हो रहा है एक्स और वर्तमान के बीच जिम्मेदारियों को लेकर कोई मेल? हर कोई वार्ड में देख रहा है दोनों परशुराम चेहरों के बीच दूरियों के खेल? क्यों कहा कहने वाले ने कि बस अध्यक्ष वाला ताज ही तो गया है इधर से उधर? लेकिन मंडल वाली पूरी टीम तो वही है श्रीमान? भले ही वकील साहब के पास हो कमान? लेकिन टीम के सारे चेहरे दिखाई देते हैं पहले वालों के साथ श्रीमान?

क्यों कहा कहने वाले ने कि रेड चौथाई मौहल्ले से निकलकर आई है ये कहानी? पूरी वीरता को मन में पालकर चुनाव लड़ने वाले मामा अब होना चाहते हैं भाजपाई? लेकिन वीरता के इस पाल में लगा दी है किसी ने अपनी धार? ज्वाईनिंग वाला सीन रूक गया है फिलहाल? सुना है मामा की ज्वाईनिंग के लिए किसी ने पूरे पवन की ताकत से लगा दिये हैं जोर? लेकिन अभी तक मामला नहीं पकड़ पाया है भगवा पटके वाला छोर?

क्यों कहा कहने वाले ने कि नदिया पार वाले मास्टर जी ने कर दिया था मतदान वाले दिन लखनऊ वाले टोलफ्री नंबर पर फोन? सुना है इस दौरान गुस्से में बदली हुई थी उनकी टोन? कहने वाले ने कहा कि फोन का कारण नहीं था धीमा मतदान? फोन का कारण था लंच में देरी और हल्का जलपान? मास्टर जी हो गये थे बात से इतना नाराज? उन्होंने लखनऊ में फोन करके बता दिया हमें खाना नहीं मिला है श्रीमान? सुना है मास्टर जी के फोन के बाद मामले में आ गया पंच? बताते हैं कि फोन के दस मिनट बाद ही आ गया था मास्टर जी के लिए मौके पर लंच?

क्यों कहा कहने वाले ने कि नदिया पार के उस वार्ड में धीमे मतदान को लेकर मच रहा है मंडल और मौहल्ले में भी घमासान? ये इलाका है ऐसा जहां केवल 30 प्रतिशत ही हुआ है मतदान? यहां पर झंडा वाले इलाके को लेकर तलाशा जा रहा है नया ही फंडा? यहां मंडल अध्यक्ष बता रहे हैं पार्षद में कमी और पार्षद गिना रहे हैं मंडल अध्यक्ष में दोष? 30 प्रतिशत मतदान को लेकर विधानसभा वालों के मन में भी है रोष?

क्यों कहा कहने वाले ने कि नदिया पार के कौन से मंडल में होने वाली है एक महिला चेहरे की एन्ट्री? क्यों कहा कहने वाले ने कि मंडल की टीम में ये फीमेल चेहरा बनेगा मंडल का महामंत्री? सुना है मंडल वाली टीम में इस नाम को मिल गई है हरी झंडी? जल्द ही हो जायेगी मंडल में महामंत्री वाले पद पर इस ठाकुर चेहरे की एन्ट्री?

क्यों कहा कहने वाले ने कि वार्ड 100 में सम्मान वाले सीन से कर दिये गये कुछ चेहरे दूर? क्या अतुल जी के धन्यवाद से कोई रखना चाहता था इन चेहरों को दूर? कहने वाले ने कहा कि ये तो बात है कहीं से कहीं तक नहीं ठीक? पार्षद ने मंडल अध्यक्ष और मंडल प्रभारी को बुलाकर करा दिया उनका धन्यवाद? यहां बुलानी चाहिए थी उन्हें मंडल की पूरी टीम और होना चाहिए था उनका भी धन्यवाद? पूरे चुनाव प्रचार में इस पूरी टीम ने की है अतुल गर्ग और भाजपा की जिंदाबाद?

क्यों कहा कहने वाले ने कि उस वाले मौहल्ले में चल रहा है फूल वालों में आपस में ही विवाद? जब मंडल की उन्हें सौंपी है कमान तो उन्हें ही जिम्मेदारी देनी चाहिए थी श्रीमान? सुना है मतदान की पूर्व संध्या पर हो गया था मौहल्ले के एक दफ्तर पर चुनावी घमासान? बताते हैं मुरादनगर वाले भारतीय जी ने सौंप दिया था निष्कासन के बाद वापस लौटे शर्मा जी को चुनाव संबंधी काम? इस बात पर मंडल वाले वकील साहब हो गये थे नाराज? उनका कहना था अगर पद वाली जिम्मेदारी मेरे पास है तो चुनाव वाली जिम्मेदारी भी होनी चाहिए मेरे पास? सुना है मामले की शिकायत पहुंची थी एक पदाधिकारी के पास?

क्यों कहा कहने वाले ने कि भाजपा वाले चुनाव से पहले ही एक दूसरे के बूथ पर डली वोटों का लगा रहे हैं हिसाब? सभी बिना कहे बता रहे हैं अपने अपने बूथ पर डली वोटों का डाटा? क्यों कहा कहने वाले ने कि अच्छी बात है रखना चाहिए हिसाब इसमें नहीं है कोई घाटा? लेकिन मतदान को लेकर आपस में नहीं होना चाहिए इतना भी घमासान? सबने पार्टी के लिए प्रचार किया और सभी ने मांगे थे वोट? मतदाता की मर्जी है इसे भला कौन सकता है रोक?

नोट : उठते सवालों का करंट लेखक की व्यक्तिगत राय नहीं है, बल्कि रोजाना क्षेत्र में उठने वाली चर्चाओं का संग्रह है।

दैनिक करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। स्नेहा सिसौदिया और आकाश सिसौदिया ने अपनी मैरिज एनिवर्सरी की खुशी को फेसबुक पर साझा किया। मैरिज एनिवर्सरी की खुशी में परिवार दोस्त रिश्तेदार समर्थक शुभ चिंतक भी शामिल हुए। सभी ने बधाई शुभकामनाए दी। मैरिज एनिवर्सरी की यह पोस्ट बनी करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे।